भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत अखबार

R.N.I.Regd.No.:RAJHIN/2015/61758

जागरूक जनता

17 जून - 23 जून 2026

jagrukjanta.net

ज्येष्ठ, पक्ष - शुक्ल, तिथि - तृतीया, संवत 2083 पृष्ठ : 8 जयपुर, बुधवार वर्ष-12, अंक-16, मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/- साप्ताहिक

जब एलके आडवाणी ने नेता प्रतिपक्ष के पद और लोकसभा से इस्तीफा दे दिया

देश में भ्रष्टाचार कब से चल रहा है यह तो कहना मुश्किल है मगर कुछ भ्रष्टाचार ऐसे हुए हैं जिनकी परतें खुलने के बाद या तो सरकार चली गई या फिर भ्रष्टाचार में लिप्त नेताओं को भी कई बार जाना पड़ा है और कुछ नेताओं ने स्वतः ही इस्तीफा दे दिया और फिर दुबारा चुनाव जीतकर अपने आपको भ्रष्टाचार के दाग से मुक्त कर लिया। ऐसे ही 1991 में एक मामला जैन हवाला कांड का खुलासा एक डायरी से हुआ था। उस समय केन्द्र में कांग्रेस की सरकार थी और प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव थे। मामले के अनुसार मार्च 1991 में भिलाई इंजीनियरिंग कॉरपोरेशन के प्रबंध निदेशक (एमडी) और हवाला कारोबारी सुरेन्द्र कुमार जैन (एसके जैन) के आवास पर छापेमारी के दौरान दो डायरियां बरामद हुई थीं, जिनमें करीब 60 राजनेताओं, नौकरशाहों और कारोबारियों के नाम कोडवर्ड में लिखे हुए थे। इस मामले को लेकर 1993 में तत्कालीन जनता पार्टी के नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने एक प्रेस कांफ्रेंस में दावा किया था कि इन डायरियों में लालकृष्ण आडवाणी का नाम है और उन्हें 2 करोड़ रुपए मिले थे। लालकृष्ण आडवाणी उस समय लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष थे। मामला सार्वजनिक होते ही लालकृष्ण आडवाणी ने विपक्ष के नेता पद और संसद से यह कहते हुए इस्तीफा दे दिया कि जब तक इन आरोपों से मुक्त नहीं हो जाऊंगा तब तक चुनाव नहीं लडूंगा। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने सबूतों के अभाव में आडवाणी को बरी कर दिया। उसके बाद आडवाणी चुनाव जीतकर संसद में गए। मगर, आज खाद बीज के व्यापारियों पर छापे मारे जा रहे हैं, तथाकथित अधिकारी बनकर लाखों करोड़ों की उगाही कर रहे हैं। पीड़ित बीज विक्रेता पुलिस में रिपोर्ट कर रहे हैं। मगर सुनवाई नहीं हो रही है जबकि उलटे पीड़ितों के खिलाफ ही केस दर्ज हो गए। विभागीय मुखिया (मंत्री) स्वतः ही कह रहे हैं कि मैं लिप्त नहीं हूं अगर मैं दोषी हुआ तो इस्तीफा दे दूंगा। जबकि समाचारों में नाम आ रहा है। यह फर्क हो गया है उस समय की भाजपा और आज की भाजपा में। इस भ्रष्टाचारी उगाही से आने वाले विधानसभा चुनावों में कांग्रेस के लिए जीत आसान हो सकती है क्योंकि कांग्रेस में भी शीर्ष नेतृत्व युवा नेता को कमान दे सकता है। इन घटनाक्रमों से तो ऐसा लगता है कि भाजपा में कुंठित नेता इसी बहाने जेब भी भर रहे हों और जनता को पार्टी से दूर करने की कोशिश भी कर रहे हों।

सटीक

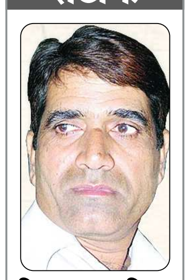

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

shivdayalmishra@gmail.com

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का अंत्योदय का संकल्प :राजस्थान में 1 करोड़ 54 लाख से ज्यादा हुए पंजीकरण

असंगठित श्रमिकों के लिए 'ई-श्रम पोर्टल' बना वरदान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

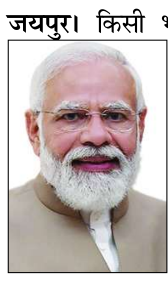

जयपुर। किसी भी देश या प्रदेश के विकास की यात्रा तभी सार्थक होती है, जब समाज के अंतिम व्यक्ति तक उसके हक और योजनाओं की पहुंच हो। अंत्योदय के इसी संकल्प को साकार करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने असंगठित क्षेत्र के करोड़ों श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाने की दिशा में अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इसी क्रम में 'ई-श्रम पोर्टल' एक ऐतिहासिक पहल के रूप में उभरा है। इस पोर्टल के जरिए ना केवल श्रमिकों का एकीकृत राष्ट्रीय डेटाबेस तैयार किया जा रहा है, बल्कि यूनिवर्सल अकाउंट नंबर के जरिए उन तक सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ सुनिश्चित किया जा रहा है।

हमारे देश की अर्थव्यवस्था में असंगठित क्षेत्र का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। निर्माण कार्यों, कृषि, घरेलू सेवाओं, रेहड़ी-पटरी व्यवसाय, परिवहन, वस्त्र उद्योग के साथ ही गिग वर्कर्स अपनी मेहनत से देश की प्रगति में योगदान दे रहे हैं। इन असंगठित श्रमिकों की कोई समग्र और प्रामाणिक जानकारी उपलब्ध नहीं होने से उन तक योजनाओं का लाभ प्रभावी रूप से पहुंचाना चुनौतीपूर्ण होता है। इसी को देखते हुए श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा 26 अगस्त 2021 को ई-श्रम पोर्टल की शुरुआत की गई।

ई-श्रम पोर्टल के प्रति राजस्थान के श्रमिकों में बढ़ती जागरुकता

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान भी इस महत्वपूर्ण अभियान में सक्रिय भागीदारी निभा रहा है। राज्य में ई-श्रम पोर्टल के प्रति श्रमिकों की बढ़ती जागरुकता के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। अब तक राजस्थान में 1 करोड़ 54 लाख 50 हजार 294 श्रमिक ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकृत हो चुके हैं। इनमें 82 लाख 40 हजार 291 महिलाएं और 72 लाख 9 हजार 896 पुरुष श्रमिक शामिल हैं। यह तथ्य विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि महिलाओं की भागीदारी 53.33 प्रतिशत है, जो आर्थिक और सामाजिक क्षेत्र में महिलाओं की बढ़ती सक्रियता का परिचायक है।

कृषि क्षेत्र में सर्वाधिक पंजीकरण

राजस्थान में पंजीकृत श्रमिकों के क्षेत्रवार आंकड़ों पर नजर डालें, तो कृषि क्षेत्र सबसे आगे है। राज्य में 85 लाख 99 हजार 316 कृषि श्रमिकों का पंजीकरण किया जा चुका है, जो ग्रामीण अर्थव्यवस्था में कृषि की केंद्रीय भूमिका को दर्शाता है। इसके बाद निर्माण क्षेत्र के 24 लाख 29 हजार 179 तथा वस्त्र एवं परिधान उद्योग के 8 लाख 2 हजार 650 श्रमिक पंजीकृत हुए हैं। यह आंकड़े बताते हैं कि ई-श्रम पोर्टल ने विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत श्रमिकों को एक साझा मंच पर लाने में सफलता प्राप्त की है। पंजीकरण के विभिन्न माध्यमों का विश्लेषण करें तो स्वयं पंजीकरण की प्रक्रिया को श्रमिकों ने व्यापक रूप से अपनाया है। राज्य में 1 करोड़ 2 लाख 27 हजार 852 श्रमिकों ने स्वयं ऑनलाइन पंजीकरण कराया है। इसके अतिरिक्त कॉमन सर्विस सेंटर्स के माध्यम से 51 लाख 62 हजार 175 श्रमिकों का पंजीकरण हुआ है।

नीट री-एग्जामः 22 जून तक टेलीग्राम पर अस्थाई रूप से लगाई रोक

नई दिल्ली @ जागरूक जनता। नीट री-एग्जाम से पहले देश में टेलीग्राम पर रोक लगाई। 22 जून तक टेलीग्राम पर अस्थाई रूप से रोक लगाई। 30 जून तक मैसेजिंग फीचर पर अस्थाई रोक रहेगी। NEET री-एग्जाम 21 जून को होना है। NTA ने कहा कि नकल गिरोह पर रोक के मद्देनजर फैसला लिया। NEET छात्रों को धोखाधड़ी से बचाने के लिए फैसला लिया।

राहुल गांधी आज कोटा में

कोटा @ जागरूक जनता। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी आज नीट पेपर गड़बड़ी, परीक्षाओं में धांधली, पेपर लीक समेत अन्य मुद्दों को लेकर शिक्षा नगरी कोटा में छात्र संवाद-कोटा महारैली में शिरकत करेंगे। यहां से युवाओं के मुद्दों को लेकर देशव्यापी आंदोलन का ऐलान करेंगे।

दवाओं की बिक्री को लेकर केंद्र ने किया बदलाव

बिना पर्ची के नहीं मिलेगी सिरप

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। देश में दवाओं की बिक्री को लेकर केंद्र सरकार ने बड़ा बदलाव किया है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ लंबे समय से कफ सिरप और अन्य सिरप आधारित दवाओं के अनियंत्रित उपयोग पर चिंता जता रहे थे। कई मामलों में बिना डॉक्टर की सलाह दवाएं लेने से स्वास्थ्य जोखिम भी सामने आए। इसी बीच केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने नया नोटिफिकेशन जारी कर दवा बिक्री नियमों को सख्त बना दिया है। अब देशभर में कफ सिरप समेत सभी सिरप आधारित दवाएं बिना डॉक्टर के प्रिस्क्रिप्शन के मेडिकल स्टोर पर नहीं मिलेंगी और इनके लिए पंजीकृत चिकित्सक की पर्ची दिखाना अनिवार्य होगा। यह नया नियम ड्रग्स रूल्स 1945 में संशोधन के बाद लागू किया गया है।

ड्रग्स रूल्स 1945 की शेड्यूल K से सिरप्स शब्द हटाया

केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने ड्रग्स (फिफ्थ अमेंडमेंट) रूल्स, 2026 के तहत यह बदलाव लागू किया है। सरकार ने 9 जून 2026 को आधिकारिक गजट में अधिसूचना प्रकाशित की थी। संशोधन के तहत ड्रग्स रूल्स 1945 की शेड्यूल K में शामिल आइटम नंबर 7 से सिरप्स शब्द हटा दिया गया है। शेड्यूल च उन दवाओं की सूची है जिन्हें कुछ नियामक प्रावधानों से छूट दी जाती थी। अब सिरप दवाओं को इस छूट से बाहर कर दिया गया है। इसके बाद ऐसी दवाओं की बिक्री सामान्य नियामक नियमों के अनुसार होगी और बिना पर्ची बिक्री संभव नहीं रहेगी। नए नियम से मेडिकल स्टोर संचालकों को सिरप आधारित दवाएं बेचने से पहले डॉक्टर का प्रिस्क्रिप्शन जांचना होगा। इससे कफ सिरप और अन्य सिरप मेडिसिन का अनियंत्रित उपयोग कम होने की उम्मीद है।

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज
ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट
» मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
» सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
» असाध्य घाव/शुगर के घाव
» कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
» अचानक बहरापन (Hearing Loss)
» डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
98290-17133, 70737-77133
9983317133
डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.
नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सेन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर
Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur
E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.in

UEM
श्रद्धावान लभते ज्ञानम्
UNIVERSITY OF ENGINEERING & MANAGEMENT
Good Education, Good Jobs
UNIVERSITY OF ENGINEERING & MANAGEMENT
Campus: 'Gurukul', Udaipuria Mod, Sikar Road, 6 Kms. from Chomu, Jaipur - 303807 (Raj.)
City Office: 210-212, IInd Floor, Apex Tower, Lalkothi, Tonk Road, Jaipur | M: 9887933330
9887313330, 9887933330
9887413330, 9887153330
THE World University Rankings 2026 | QS I-GAUGE Platinum & Diamond | CAMBRIDGE English Educational Partner | GU Global University Rankings | UGC | AICTE | NAAC | AIU
UEM JAIPUR has Highest Funded Patents in Rajasthan from Govt. of India
One of the Best PLACEMENT RECORDS of the Country
Placements at UEM Jaipur Continues till the last willing student is placed
Foreign University Collaborations
UNLV | Brunel University London | Richard A. Chaifetz School of Business, Saint Louis University | GIIM

Admissions OPEN

B.TECH | M.TECH
Computer Science & Engineering | Data Science | AIML
Cloud Computing & Visualization | Electrical Engineering
Electronics & Communication Engineering | Civil Engineering
Mechanical Engineering
BBA | MBA
Marketing | Finance | Human Resource | Technology Management
Operations & Supply Chain Management | Digital Marketing
Hospital & Healthcare Management
BPT | MPT
Cardiopulmonary | Orthopaedics | Neurology
Musculoskeletal | Pediatrics | Sports
BCA | MCA
Data Science | Artificial Intelligence & Machine Learning
Full Stack Development | Cyber Security & Cloud Computing
AI & ML (Industry Integrated
PGDY
Post Graduate Diploma in Yoga

Top Placements

Esha Mishra – Walmart Global Tech India
Aman Sharma – Metacube Software Pvt. Ltd.
Avinash Kr. Mehta – Metacube Software Pvt. Ltd.
Sourabh Chhipa – Metacube Software Pvt. Ltd.
Priyanka Biswas – Capgemini
Harshit Keshari – Tata Consultancy Services (TCS)
Soumadri Kapat – Wipro
Diprojit Mondal – Tech Mahindra

AWARDS & ACHIEVEMENTS OF UEM JAIPUR

150+ Design Patents Granted
72 Lakhs Highest Annual Salary Offered
7 CRORE+ Worth Scholarships Provided
800+ Research Paper Published
740+ Patents Published

Applications are invited from highly motivated and research-oriented candidates for the Ph.D Programme in the following disciplines.
Ph.D. Programme Notification
Eligibility and Admission Criteria as per the UGC Guidelines and Regulations
Admissions (July-2026 Session)
• Computer Science & Engineering • Computer Applications
• Mechanical Engineering • Electrical Engineering • Civil Engineering
• Electronics & Communication Engineering • English • Management
• Physics • Chemistry • Mathematics • Physiotherapy

Scholarships UPTO 100%*
for Rajasthan Girls Student

100% FEE WAIVER	95% OR ABOVE IN (10+2)
75% " "	80% OR ABOVE IN (10+2)
50% " "	75% OR ABOVE IN (10+2)
25% " "	70% OR ABOVE IN (10+2)

SC-ST Scholarship (as per Government Rules)
Scholarship for Sports Candidate
Scholarship for IEMJEE Candidates
Scholarship for Rajasthan Girl Students
TOP RECRUITERS:
Infosys | tcs Tata Consultancy Services | wipro | integer | cognizant | SIEMENS | Capgemini | metacube | cadence | CAPE Electric | accenture | Microsoft
Study Abroad Program for Meritorious Students
USA, CANADA, UK, AUSTRALIA & SINGAPORE
5 Industry Established Labs
Leading University for 6G Projects, Govt. of India
APPLY ONLINE: www.uem.edu.in

राजस्थान में 5 गुना बढ़े कुत्तों के काटने के मामले, 5 साल में 18.4 लाख से अधिक लोग शिकार

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में डॉग बाइट की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। राष्ट्रीय रेबीज नियंत्रण कार्यक्रम के तहत संकलित जिला-वार आंकड़ों के मुताबिक साल 2021-22 से 2025-26 तक राज्य में 18,42,617 डॉग बाइट के मामले दर्ज किए गए हैं। आंकड़े बताते हैं कि पिछले पांच वर्षों में मामलों में 5 गुना से ज्यादा बढ़ोतरी हुई है। सरकारी आंकड़ों पर नजर डालें तो राजस्थान में पिछले तीन सालों के दौरान औसतन हर साल 4 लाख से ज्यादा लोग डॉग बाईट के मामले आ रहे हैं। राजस्थान में वर्ष 2021-22 में 88,259 मामले दर्ज हुए थे, जो बढ़कर वर्ष 2025-26 में 5,93,999 तक पहुंच गए। यानी पांच वर्षों में करीब 573 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। एडिशनल हेल्थ डायरेक्टर डॉ नरोत्तम शर्मा ने बताया कि डॉग बाइट एक आम समस्या है। हमने पीएचसी, सीएचसी से लेकर जिला अस्पतालों तक वैक्सीनेशन की व्यवस्था की है। आमतौर पर घाव के हिसाब से पीड़ित को ट्रीटमेंट दिया जाता है। लोगों को जागरूक रहने की आवश्यकता है। जब भी कोई घाव हो तो उसे तुरंत साफ कर ले। एंटीसेप्टिक लगाने का प्रयास करें। तुरंत निकटतम अस्पताल में जाकर चिकित्सीय सहायता ले।

वर्ष	कुत्तों के काटने के मामले
2021-22	88,259
2022-23	2,78,244
2023-24	4,27,806
2024-25	4,60,309
2025-26	5,93,999
कुल मामले	18,42,617

2025-26 में सबसे ज्यादा मामले वाले जिले

साल 2025-26 में डॉग बाइट के मामलों में प्रदेश में अलवर जिले में सर्वाधिक 47 हजार 910 मामले सामने आए। इसके बाद श्रीगंगानगर में 38 हजार 331, बीकानेर में 35 हजार 796 डीग में 34 हजार 087, जयपुर में 33 हजार 595 और धौलपुर में 32 हजार 688 मामले सामने आए।

टॉप-10 जिले

अलवर	-	47,910
श्रीगंगानगर	-	38,331
बीकानेर	-	35,796
डीग	-	34,087
जयपुर	-	33,595
धौलपुर	-	32,688
ब्यावर	-	29,430
कोटा	-	29,173
हनुमानगढ़	-	27,184
भीलवाड़ा	-	23,858

कुछ प्रमुख जिलों की स्थिति

जयपुर	:	33,595 मामले
अलवर	:	47,910 मामले
अजमेर	:	20,765 मामले
जोधपुर	:	6,711 मामले
उदयपुर	:	3,508 मामले
कोटा	:	29,173 मामले

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि डॉग बाइट के बाद समय पर एंटी-रेबीज वैक्सीन न लगने पर रेबीज जैसी जानलेवा बीमारी का खतरा बढ़ जाता है। राज्य में बढ़ते डॉग बाइट के मामले आवारा कुत्तों की संख्या नियंत्रण, नसबंदी कार्यक्रम, एंटी-रेबीज टीकाकरण और जागरूकता अभियानों की प्रभावशीलता पर गंभीर सवाल खड़े करते हैं।

प्रयोगशाला सहायक (भूगोल) और प्रयोगशाला सहायक एवं कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक (विज्ञान) संयुक्त सीधी भर्ती की आंसर की जारी

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा गत 9 मई को आयोजित प्रयोगशाला सहायक (भूगोल) सीधी भर्ती-2026 एवं 10 मई को प्रयोगशाला सहायक एवं कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक (विज्ञान) संयुक्त सीधी भर्ती-2026 परीक्षाओं के मास्टर प्रश्न पत्र तथा इनकी प्रारम्भिक उत्तर कुंजियाँ बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट https://rssb.rajasthan.gov.in/ पर अपलोड की जा चुकी हैं। बोर्ड सचिव ने बताया कि यदि किसी परीक्षार्थी को प्रश्न पत्र के किसी प्रश्न अथवा उसके उत्तर के संबंध में कोई आपत्ति है तो वह 100 रूपये प्रति प्रश्न शुल्क के साथ अपनी आपत्तियाँ दर्ज करवा सकता है। ऑनलाइन आपत्ति दर्ज कराने की प्रक्रि या का लिंक 16 जून को मध्य रात्रि 1 बजे से 18 जून रात्रि 11:59 तक सक्रिय रहेगा।

जनगणना की डिटेल रिपोर्ट : साल 2011 की तुलना में जयपुर में मकान 3 गुना तक बढ़े

जयपुर में जनसंख्या 33% और घर 190% बढ़े

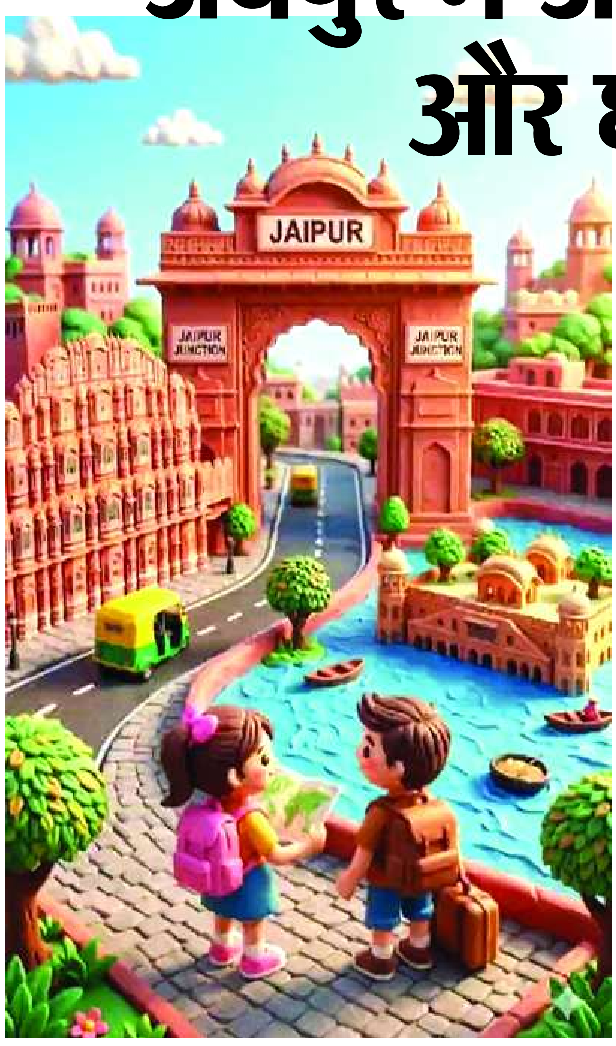

47 लाख आबादी में 20% मकान खाली

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में जनगणना का पहला चरण यानी मकान की सूचीकरण का काम पूरा हो चुका है। राजधानी जयपुर में जनगणना के जो आकड़ें सामने आए, वो बेहद रोचक है। ये आंकड़ें ना सिर्फ बढ़ती आबादी को बताते हैं, बल्कि शहर में बढ़ रहे इंफ्रास्ट्रक्चर, मकान और परिवारों का पैटर्न भी समझने के लिए काफी है। नए आंकड़ों के मुताबिक, साल 2011 की तुलना में शहर की आबादी करीब 33 प्रतिशत बढ़ी है। 2011 में शहर की जनसंख्या 36 लाख थी, वह अब बढ़कर करीब 47.87 लाख हो गई है।

जयपुर में 15.79 लाख मकान

मकानों की संख्या करीब ढाई गुना से ज्यादा बढ़ गई है। 2011 में जयपुर शहर में 5.43 लाख मकान थे, जो अब 15.79 लाख मकान है, यानी करीब 190 प्रतिशत मकान बढ़े हैं। यह साफ दर्शाता है कि लोगों ने शहर में रियल एस्टेट में खूब इन्वेस्ट किया है। लोगों की संख्या में मकानों की संख्या तेजी से बढ़ी है, जो शहर की आर्थिक प्रगति का सूचकांक है। हालांकि, इन 15.79 लाख मकानों में से करीब 3.25 लाख में किरायेदार रह रहे हैं। वहीं, 3 लाख से अधिक मकान खाली पाए गए। शहर में एकल परिवारों की संख्या बढ़ रही है। जहां 2011 में हर मकान में औसतन 6 से 7 लोग रहते थे। वहीं अब हर मकान में तीन से चार लोग ही रह रहे हैं।

हवामहल क्षेत्र में रिकॉर्ड आबादी, जगतपुरा रियल एस्टेट का हब

शहर का विस्तार पुराने परकोटे से निकलकर जगतपुरा, प्रतापनगर, टोंक रोड, अजमेर रोड, महिंद्रा सेज कॉरिडोर और बाहरी इलाकों तक पहुंच चुका है। शहर अजमेर रोड, टोंक रोड और आगरा रोड की तरफ तेजी से बढ़ रहा है। जोनवार आंकड़ों की बात करें तो जगतपुरा रियल एस्टेट का सबसे बड़ा हब बनता हुआ दिखाई देता है। यहां सर्वाधिक 1.61 लाख से अधिक मकान दर्ज किए गए हैं। आबादी के लिहाज से हवामहल जोन सबसे आगे है। यहां 5.46 लाख से अधिक लोग निवास कर रहे हैं। इसके अलावा आदर्श नगर, सांगानेर और मानसरोवर जैसे क्षेत्रों में भी आबादी तेजी से बढ़ी है। किशनपोल जोन में सबसे कम करीब 2.27 लाख आबादी और 86,400 मकान दर्ज किए गए हैं। तंग गलियां, ट्रैफिक जाम, शहर की भीड़-भाड़ के कारण लोग परकोटा छोड़ खुली जगहों पर मकान ले रहे हैं। हवामहल क्षेत्र की आबादी 5.46 लाख है।

जोनवार आबादी

हवामहल	: 5,46,927
आदर्श नगर	: 4,42,702
सांगानेर	: 4,14,436
मानसरोवर	: 4,00,746
मुरलीपुरा	: 3,81,431
जगतपुरा	: 3,78,132
वैशाली नगर	: 3,75,102
झालाना	: 3,74,184
झोटवाड़ा	: 3,32,786
मालवीय नगर	: 3,32,275
सिविल लाइंस	: 3,15,288
विद्याधर नगर	: 2,76,976
किशनपोल	: 2,26,909

लेहरिया महोत्सव का पोस्टर लाँच

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। एम्प्रेस क्लब द्वारा ग्रैंड सफाई में राजस्थान के सबसे बड़े लेहरिया महोत्सव के पोस्टर का भव्य लॉन्च किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और आगामी लेहरिया फेस्ट को लेकर अपनी खुशी व्यक्त की। कार्यर म में डॉ. वर्षा ने महिलाओं को त्वचा की देखभाल एवं स्वस्थ स्किन से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। वहीं बेलियस की ओर से रजनी जी ने उपस्थित महिलाओं को स्किन स्पेशलिस्ट प्रोडक्ट्स एवं उनके लाभों के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर एम्प्रेस क्लब की पूरी फाउंडेशन टीम मौजूद रही तथा जयपुर के विभिन्न क्लबों के डायरेक्टर्स ने भी अपनी सहभागिता दर्ज कराई। क्लब की संस्थापक खुशबू शर्मा ने बताया कि यह लेहरिया महोत्सव जयपुर का सबसे बड़ा लेहरिया उत्सव होगा, जिसमें मेहंदी, मनोरंजन, मस्ती, आकर्षक गतिविधियों और सेलिब्रिटी उपस्थिति का विशेष आकर्षण रहेगा।

महाराव शेखाजी क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान

12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस सप्ताह के तहत विविध कार्यक्रम आयोजित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में महाराव शेखाजी क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, जयपुर में योग जागरूकता एवं स्वास्थ्य संवर्धन से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

योग सप्ताह का शुभारम्भ संस्थान में आयोजितयोग प्रतिज्ञा कार्यक्रमके साथ हुआ, जिसमें अधिकारियों, कर्मचारियों, शोधकर्ताओं एवं अन्य कार्मिकों ने योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने तथा स्वस्थ समाज के निर्माण में योगदान देने का संकल्प लिया। संस्थान प्रभारी डॉ. बी.आर. मीणा ने बताया कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन को संतुलित, स्वस्थ एवं सकारात्मक बनाने की एक समग्र पद्धति है, जो वर्तमान समय की जीवनशैली जनित समस्याओं के समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

संस्थान के सभा कक्ष में प्रतिदिन वाई-ब्रेक कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इसमें कर्मचारियों एवं आगंतुकों को कार्यस्थल पर कम समय में किए जा सकने वाले सरल योगाभ्यासों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

संस्थान परिसर में सप्ताह में एक बार औषधीय पौधों का निःशुल्क वितरणभी किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य आमजन में औषधीय पौधों के संरक्षण एवं उपयोग के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। इसके अलावा योग से जुड़ी अन्य गतिविधियां भी संस्थान में आयोजित की जा रही है। डॉ. मीणा ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर प्रातः 6 बजे से पब्लिक पार्क, इंदिरा कॉलोनी झोटवाड़ा रोड पानीपेच में संस्थान द्वारा सामूहिक योगाभ्यास, स्वास्थ्य परामर्श एवं जनहित गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा।

सालों बाद लौटा कच्छा-बनियान गैंग, आधी रात को हथियारों के साथ CCTV में घूमते दिखे

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजधानी में कभी आतंक का पर्याय रहे कच्चा बनियान गिरोह की दस्तक लंबे अर्से के बाद फिर से हुई है, जिसके बाद से लोगों में डर समा गया है। यह दस्तक गुलाबी नगरी के सांगानेर इलाके में सूर्य नगर तारों की कूट में यह गिरोह सक्रिय दिखा। खबर पुलिस को मिलते ही जयपुर कमिश्नरेट के सभी थाना क्षेत्रों में अलर्ट जारी किया गया है।

फुटेज देख लोगों के उड़े होश

मिली जानकारी के अनुसार, सांगानेर के सूर्य नगर इलाके में आधी रात को गली में काफी हलचल देखी, जिसके बाद सुबह सीसीटीवी फुटेज कैमरों को खंगाला गया तो उसमें का नजारा देखकर सबके होश उड़ गए। फुटेज में एक दो नहीं करीब 8 से 10 कच्चा बनियान पहने और अपने मुंह को कपड़े से ढककर गली में बेखौफ घूम रहे थे। वीडियो सामने आने के बाद स्थानीय निवासियों में दहशत का माहौल है।

फुटेज की जांच में लगी पुलिस

सीसीटीवी के सामने आने के बाद लोगों ने तुरंत सांगानेर थाना पुलिस को सूचित किया। पुलिस तुरंत हरकत में आई और मुस्तैदी दिखाते हुए सीसीटीवी फुटेज को अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस की साइबर और लोकल टीमें अब इन संदिग्धों के चेहरों और उनके चलने के पैटर्न से पहचान करने में जुटी हैं।

पूरी राजधानी में नाइट पेट्रोलिंग बढ़ी

इस गंभीर मामले को देखते हुए जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने कड़ा रुख अपनाया है। कमिश्नर सचिन मित्तल ने जयपुर के सभी पुलिस थानों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि इलाके में किसी भी संदिग्ध व्यक्ति के दिखने पर तुरंत पूछताछ की जाए। साथ ही, आमजन की सुरक्षा के लिए रात्रि गस्त बढ़ाई जाने के आदेश दिये है। हालांकि, संदिग्ध गिरोह के लिए पुलिस की टीमें लगातार दबिश दे रही हैं, लेकिन अभी तक आरोपी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं।

ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविर

निरीक्षण हेतु अधिकारियों की नियुक्ति

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। जिला कलक्टर संदेश नायक ने ग्रामीण सेवा शिविर एवं शहरी सेवा शिविर-2026 के प्रभावी संचालन, निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण के लिए जिला स्तरीय अधिकारियों की नियुक्ति की है। नियुक्त अधिकारी अपने आवंटित क्षेत्रों में आयोजित शिविरों का निरीक्षण कर कार्यों के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण को सुनिश्चित करेंगे।

आदेशानुसार अतिरिक्त जिला कलक्टर द्वितीय को आमेर एवं जालसू पंचायत समितियों का पर्यवेक्षण सौंपा गया है। अतिरिक्त जिला कलक्टर तृतीय फागी एवं माधोराजपुरा पंचायत समितियों की पर्यवेक्षण करेंगे। अतिरिक्त जिला कलक्टर चतुर्थ को जमवारामगढ़ एवं आंधी पंचायत समितियों का दायित्व दिया गया है। अतिरिक्त जिला कलक्टर शहर दक्षिण को चाकसू एवं कोटखावदा पंचायत समितियों के शिविरों का पर्यवेक्षण करने के निर्देश दिए गए हैं। अतिरिक्त जिला कलक्टर दूदू मौजमाबाद एवं दूदू पंचायत समितियों की जिम्मेदारी संभालेंगे। अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद जयपुर को सांभर पंचायत समिति क्षेत्र का पर्यवेक्षण सौंपा गया है। उप महानिरीक्षक एवं मुद्राक वृत्त प्रथम, जयपुर शाहपुरा एवं विराटनगर (आंशिक) क्षेत्र के शिविरों का निरीक्षण करेंगे। उप महानिरीक्षक एवं मुद्राक वृत्त द्वितीय, जयपुर को बस्सी एवं तूंगा पंचायत समितियों का दायित्व दिया गया है। उप महानिरीक्षक एवं मुद्राक वृत्त तृतीय, जयपुर किशनगढ़ रेनवाल पंचायत समिति क्षेत्र का पर्यवेक्षण करेंगे।

जिला रसद अधिकारी प्रथम, जयपुर को सांगानेर पंचायत समिति क्षेत्र तथा जिला रसद अधिकारी द्वितीय, जयपुर को झोटवाड़ा एवं जोबनेर पंचायत समितियों के शिविरों का पर्यवेक्षण सौंपा गया है। उप निदेशक, महिला एवं बाल विकास विभाग, जयपुर गोविन्दगढ़ पंचायत समिति क्षेत्र के लिए नियुक्त किए गए हैं। शहरी सेवा शिविरों के लिए उपनिदेशक, स्थानीय निकाय विभाग, जयपुर को जयपुर जिले की समस्त नगरपालिकाओं का पर्यवेक्षण सौंपा गया है। अतिरिक्त जिला कलक्टर शहर उत्तर, जयपुर को समस्त जोन कार्यालयों एवं नगर निगम जयपुर क्षेत्र में आयोजित शिविरों की निगरानी का दायित्व दिया गया है। जिला कलक्टर ने निर्देश दिए हैं कि नियुक्त अधिकारी अपने आवंटित क्षेत्रों में नियमित भ्रमण कर शिविरों की प्रगति की समीक्षा करेंगे, विभिन्न विभागों के मध्य समन्वय स्थापित करेंगे तथा आमजन की समस्याओं के समयबद्ध समाधान को सुनिश्चित करेंगे।

राधेश्याम की सामाजिक सुरक्षा पेंशन स्वीकृत होने से घर में आई खुशी

जयपुर @ जागरूक जनता। राज्य सरकार द्वारा संचालित ग्रामीण सेवा शिविर 2026 के अंतर्गत आमजन को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समयबद्ध एवं सुगम रूप से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आयोजित शिविर में ग्राम पंचायत दौलतपुरा निवासी राधेश्याम गुर्जर को सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना का लाभ प्रदान किया गया। ग्रामीण सेवा शिविर 2026 के दौरान आयोजित शिविर में राधेश्याम गुर्जर की लंबे समय से लंबित सामाजिक सुरक्षा पेंशन संबंधी समस्या का निराकरण करते हुए उनकी पेंशन स्वीकृत की गई तथा उन्हें स्वीकृति पत्र एवं पी.पी.ओ. प्रदान किया गया। पेंशन स्वीकृत होने पर राधेश्याम गुर्जर ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए राज्य सरकार एवं प्रशासन का आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण सेवा शिविर आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान का प्रभावी माध्यम बन रहे हैं तथा इससे पात्र व्यक्तियों को सरकारी योजनाओं का लाभ आसानी से प्राप्त हो रहा है। ग्रामीण सेवा शिविर 2026 के माध्यम से प्रशासन द्वारा आमजन की समस्याओं का मौके पर समाधान कर उन्हें विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा जा रहा है, जिससे शासन की जनहितकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना सुनिश्चित हो रहा है।

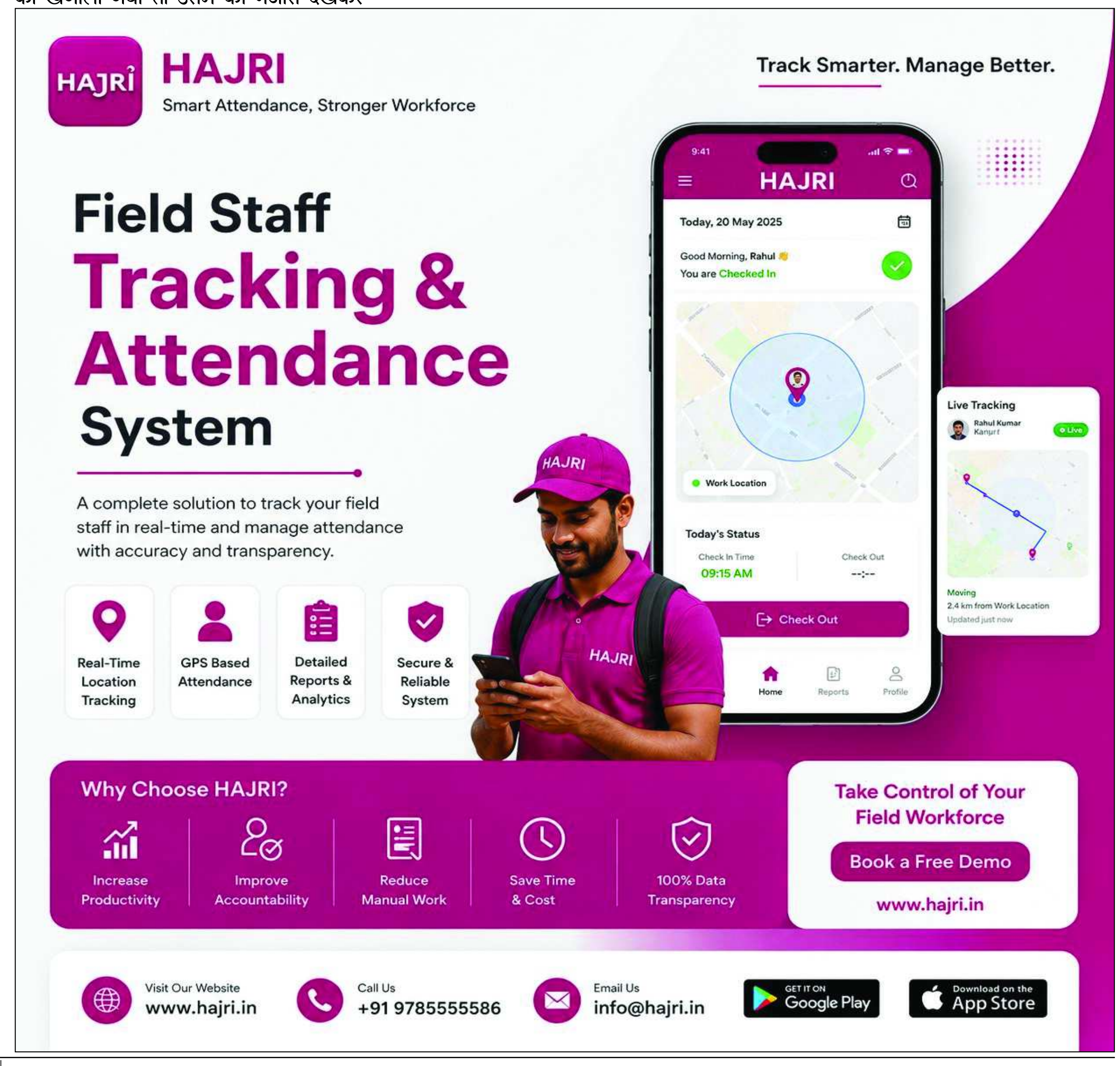

जयपुर में स्वच्छता एवं सौंदर्यीकरण के साथ सुनिश्चित हो सुव्यवस्थित विकास

राजधानी को देश के अग्रणी शहरों की श्रेणी में करें स्थापित

खुले में कचरा फेंकने वालों पर हो कार्रवाई, मशीनीकृत सफाई व्यवस्था को मिले बढ़ावा

नालों की सफाई और जलभराव रोकने की तैयारी सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जयपुर के सुव्यवस्थित विकास, स्वच्छता और सौंदर्यीकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए इसे देश के मॉडल शहर के रूप में विकसित किया जाए। इसके लिए उन्होंने संबंधित विभागों को समन्वित कार्ययोजना के साथ मिशन मोड पर कार्य करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर जयपुर के विकास, स्वच्छता एवं सौंदर्यीकरण को लेकर विभागीय अधिकारियों की बैठक ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजधानी की स्वच्छता व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए कचरा संग्रहण, परिवहन एवं वैज्ञानिक निस्तारण के लिए बेहतर कार्ययोजना बनाकर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। उन्होंने स्वच्छता व्यवस्था को अनुशासित बनाने के लिए खुले में कचरा फेंकने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वच्छता केवल प्रशासनिक दायित्व नहीं बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व भी है। इसलिए जनभागीदारी को बढ़ावा देते हुए जनजागरूकता अभियान चलाएं तथा सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं एवं भामाशाहों को भी इस अभियान से जोड़ें। उन्होंने आधुनिक तकनीक पर बल देते हुए कहा कि मशीनीकृत सफाई व्यवस्था को बढ़ावा तथा मैनुअल व्यवस्था पर निर्भरता को कम करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि राजधानी में विशेष स्वच्छता अभियान चलाकर पूरे शहर को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित स्वरूप प्रदान किया जाए। इसके लिए उन्होंने पर्याप्त संख्या में डस्टबिन उपलब्ध कराने तथा कचरा निस्तारण प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जयपुर केवल प्रदेश की राजधानी ही नहीं, बल्कि राजस्थान की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और पर्यटन पहचान का प्रमुख केंद्र है। उन्होंने निर्देश दिए कि पर्यटन स्थलों, प्रमुख मार्गों और सार्वजनिक स्थलों को विशेष रूप से स्वच्छ, आकर्षक और पर्यटन अनुकूल बनाया जाए, ताकि जयपुर की वैश्विक पहचान और अधिक सुदृढ़ हो सके। राजधानी के सौंदर्यीकरण को नई दिशा देने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री ने शहर की एक प्रमुख सड़क को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में 'मॉडल रोड' विकसित करने के निर्देश दिए। इस मॉडल रोड पर स्वच्छता, हरियाली, प्रकाश व्यवस्था, सौंदर्यीकरण, यातायात प्रबंधन, पैदल यात्री सुविधाएं एवं अन्य नागरिक सुविधाओं के उच्च मानक विकसित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस परियोजना की सफलता के आधार पर अन्य प्रमुख मार्गों पर भी इसी मॉडल को लागू किया जाएगा।

बैठक के दौरान जयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान आवासन मंडल एवं नगर निगम द्वारा राजधानी में संचालित विकास कार्यों तथा आगामी कार्ययोजना पर आधारित विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया। मुख्यमंत्री ने विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति की जानकारी लेते हुए गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्यमंत्री कार्यालय, शहरी विकास विभाग, राजस्थान आवासन मंडल, जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर नगर निगम, जिला प्रशासन सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मानसून सीजन की तैयारियों को दें अंतिम रूप

मानसून सीजन को देखते हुए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को समयबद्ध तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नालों की व्यापक सफाई समय रहते पूर्ण की जाए। इससे जलभराव की संभावित समस्याओं वाले क्षेत्रों की विशेष निगरानी करते हुए सुगम जल निकासी सुनिश्चित होगी। साथ ही, उन्होंने मानसून सीजन के दौरान नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए संबंधित विभागों को समन्वित रूप से कार्य करने के निर्देश दिए।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का गरीब कल्याण का विजन हो रहा साकार

प्रदेश के लिए 11,581 करोड़ रुपये से अधिक का ऐतिहासिक आवंटन

1 जुलाई से लागू होगा 'विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण)'

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

फाईल

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शी सोच और गरीब कल्याण की भावना को साकार करते हुए विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम 1 जुलाई 2026 से पूरे देश में लागू होने जा रहा है। मनरेगा के स्थान पर लाई गई वीबी-जीरामजी योजना पूरे देश के साथ-साथ राजस्थान की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी आत्मनिर्भर, समावेशी और सशक्त बनाने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम साबित होगी।

वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए केंद्र सरकार ने इस योजना में 95 हजार 692 करोड़ रुपये का बजटीय आवंटन किया है, जो ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम के लिए अब तक का सर्वाधिक आवंटन है। राज्यों के राज्यांश सहित इस कार्यक्रम का कुल परिव्यय 1.51 लाख करोड़ रुपये से अधिक होने का अनुमान है। राजस्थान के लिए केंद्र सरकार ने इस योजना में 7 हजार 581 करोड़ रुपये से अधिक का अंतरिम आवंटन निर्धारित किया है। इसके साथ ही राज्य सरकार द्वारा 4 हजार करोड़ रुपये की अतिरिक्त धनराशि का प्रावधान किया जाएगा, जिसे आवश्यकता एवं मांग के अनुसार बढ़ाया भी जा सकेगा। इस प्रकार राजस्थान में इस योजना के लिए कुल 11 हजार 581 करोड़ रुपये से अधिक की राशि उपलब्ध होगी, जो प्रदेश में ग्रामीण रोजगार गांरटी के लिए अब तक का सर्वाधिक आवंटन है।

नई व्यवस्था, नया अधिकार

विभिन्न विभागों की योजनाओं में संसाधनों का कन्वर्जेन्स करते हुए दोहराव रोकने, गुणवत्तायुक्त निर्माण सुनिश्चित करने और ग्रामीण श्रमिकों को वैधानिक रोजगार सुरक्षा देने के उद्देश्य से यह अधिनियम लाया गया है। मुख्यमंत्री के कुशल नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा इस योजना का प्रदेश में सफल ि यान्वयन करते हुए सुनिश्चित किया जाएगा कि राजस्थान का कोई भी पात्र ग्रामीण परिवार इस योजना के लाभ से वंचित न रहे।

125 दिन रोजगार, साप्ताहिक भुगतान

ग्रामीण क्षेत्र के ऐसे प्रत्येक पात्र परिवार को अब एक वित्तीय वर्ष में 100 दिन से बढ़ाकर 125 दिनों की रोजगार गारंटी का वैधानिक अधिकार दिया गया है, जिनके वयस्क सदस्य अकुशल शारीरिक श्रम करने के लिए स्वेच्छा से आगे आते हैं। अब श्रमिकों को साप्ताहिक भुगतान का प्रावधान किया गया है। भुगतान डीबीटी के माध्यम से सीधे बैंक अथवा डाकघर खातों में जाएगा। वहीं, निर्धारित समयावधि में रोजगार उपलब्ध न होने पर बेरोजगारी भत्ते का तथा मजदूरी भुगतान में देरी होने पर क्षतिपूर्ति का वैधानिक प्रावधान किया गया है। यह निर्णय ग्रामीण आय में वृद्धि और आजीविका सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में एक ठोस कदम है। जिन मौजूदा मनरेगा जॉब कार्ड के लिए ई-केवाईसी की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, वे वीबी-जीरामजी अधिनियम, 2025 के प्रावधानों के अनुसार नए ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्ड जारी होने तक वैध बने रहेंगे।

अभिभावक-आंगनबाड़ी कार्यकर्ता बैठक में पिताओं की सहभागिता पर विशेष जोर

बच्चों के समग्र विकास में पिता की भूमिका महत्वपूर्ण

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा प्रदेशभर के आंगनबाड़ी केन्द्रों पर अभिभावक-आंगनबाड़ी कार्यकर्ता बैठक का आयोजन किया गया। इस माह की बैठक का मुख्य विषय "पोषण, संतुलित आहार एवं स्वास्थ्य" तथा "बच्चे के जीवन में पिता की भूमिका" रहा। शासन सचिव महिला एवं बाल विकास विभाग पूनम ने बताया कि बच्चों के समग्र विकास में पिता की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि प्रदेशभर में आयोजित PAM की बैठकों के माध्यम से बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं समग्र विकास के लिए जन-जागरूकता को नई गति देने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि बच्चों के सामग्र विकास हेतु परिवारों की सहभागिता को और खास कर पिता की भूमिका को अधिक मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास किये जाएंगे। आईसीडीएस निदेशक वासुदेव मालावत ने बताया कि बैठक में बच्चों के सर्वांगीण विकास, पोषण, स्वास्थ्य, प्रारम्भिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा (ECCE) तथा परिवार की सामूहिक भागीदारी पर विस्तार से चर्चा की गई। इस बार PAM बैठकों में पिता, दादा, चाचा एवं अन्य पुरुष अभिभावकों की सहभागिता बढ़ाने पर विशेष बल दिया गया। अमावस्या के अवसर पर आयोजित इस बैठक का उद्देश्य परिवार के पुरुष सदस्यों को बच्चों के विकास में सक्रिय भागीदार बनाना तथा उनके दायित्वों के प्रति जागरूक करना रहा।

मुख्य सचिव ने किया जेडीए के "शहरी सेवा शिविर2026" का अवलोकन

नागरिकों को संवेदनशील एवं जवाबदेह प्रशासन का हो अनुभव-श्रीनिवास

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की सुशासन, पारदर्शिता एवं जनसेवा की सोच को धरातल पर प्रभावी रूप से क्रियान्वित करने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा 12 जून से 15 जुलाई 2026 तक "शहरी सेवा शिविर-2026" आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने जयपुर विकास प्राधिकरण परिसर स्थित नागरिक सेवा केन्द्र में आयोजित शहरी सेवा शिविर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव, नगरीय विकास एवं आवासन विभाग, आलोक गुप्ता भी उपस्थित रहे।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने शिविर में उपस्थित आवेदकों से संवाद किया तथा विभिन्न प्रकरणों के निस्तारण की प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने प्रतीक्षालय, टोकन व्यवस्था, आवेदन पंजीकरण, अभिलेख संधारण, ई-मित्र काउंटर तथा प्रकरणों की सुनवाई संबंधी व्यवस्थाओं का अवलोकन करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिविरों में आने वाले प्रत्येक नागरिक को सरल, सुगम, पारदर्शी एवं समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराई जाए। मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा आयोजित शहरी सेवा शिविर केवल प्रशासनिक गतिविधि नहीं, बल्कि आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान का एक प्रभावी माध्यम हैं।

उन्होंने कहा कि इन शिविरों के माध्यम से नागरिकों को संवेदनशील एवं जवाबदेह प्रशासन का अनुभव होना चाहिए तथा प्रत्येक पात्र व्यक्ति को निर्धारित समय में राहत मिलनी चाहिए। इस दौरान अतिरिक्त मुख्य सचिव आलोक गुप्ता ने भी शिविर व्यवस्थाओं का अवलोकन करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिविरों में प्राप्त होने वाले प्रत्येक प्रकरण का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए तथा आमजन को अधिकतम राहत प्रदान की जाए। निरीक्षण के दौरान जयपुर विकास आयुक्त सिद्धार्थ महाजन ने मुख्य सचिव को शिविरों की प्रगति तथा अब तक किए गए निस्तारण की जानकारी दी।

JETHI TECH SOLUTIONS
Follow Us: @jethitech
ADDING WINGS TO YOUR BUSINESS

BULK SMS - Lowest Price
Buy 1 Lakh SMS @ Rs.12000/-
With FREE Control Panel
@ 12 Paisa Per SMS
LIFETIME VALIDITY

WEDDING INVITATION
1 Invitation Video for Whatsapp
10,000 Bulk SMS
1 Social HashTag Creation
1 Whatsapp Direct Chat Link
1 Landing Page
Send Digital Invitations At One Click

START-UP PACKAGE
Dynamic Website
+ Domain & Hosting(1 Year)
+ Social Media Profile Creation
+ Social Media Management* (1 Year)
+ 3 WhatsApp Stickers
+ WhatsApp Chat Direct Link
+ Local Business Listing
+ Logo Design
All For Just Rs.35,000/- + GST

Digial Branding/Marketing
★ Youtube Marketing ★ Website Development
★ Digital Marketing ★ Android Development
★ Whatsapp Marketing ★ Software Development
★ Bulk SMS Marketing ★ Social Media Management

MSGJET Powered by JethiTech.com
SchoolMaster SCHOOL Management System Powered by JethiTech.com

Corporate Branding/Identity
★ Visiting Cards ★ ID Cards ★ Letterhead ★ Calendars ★ Pen Stand ★ Mugs
★ Pamphlets ★ Banners ★ Envelope ★ Diary ★ Paper Weights ★ T-Shirts
★ Bill Book ★ Brochure ★ Signages ★ Bags ★ Pen ★ Many More...

Financial Services: Business Loan, Home Loan, CC Limit, Mortgage Loan

WE ARE Google Partner | AdWords Analytics | Facebook Marketing Partner | Accredited Professional Bing ads

DIGITAL MARKETING | CORPORATE BRANDING | PRINT MEDIA
WEBSITE DESIGN/DEVELOPMENT | SOFTWARE DEVELOPMENT
ANDROID/iOS APPS | BULK SMS | CRM/ERP SOFTWARE

INIDIA: 1C, Rajputana Marg, Kalyanpuri, Jhotwara, Jaipur-12
USA: 11923 NE Summer St. Portland, Oregon, 97220, USA
+91-7976625313, +1(503) 8788224 || www.jethitech.com || sales@jethitech.com

संपर्क पोर्टल पर लंबित प्रकरणों के शीघ्र समाधान

आपदा प्रबंधन विभाग के विशिष्ट शासन सचिव महावीर प्रसाद मीणा ने किया राजस्थान संपर्क कॉल सेंटर का निरीक्षण

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य सरकार द्वारा आमजन की शिकायतों के त्वरित एवं प्रभावी समाधान के लिए संचालित राजस्थान संपर्क पोर्टल पर दर्ज प्रकरणों की नियमित मॉनिटरिंग एवं निस्तारण व्यवस्था की समीक्षा के क्रम में सोमवार को आपदा प्रबंधन एवं राहत विभाग के विशिष्ट शासन सचिव एवं जैसलमेर जिले के प्रभारी सचिव श्री महावीर प्रसाद मीणा ने राजस्थान संपर्क कॉल सेंटर का सघन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभाग से संबंधित शिकायतों, उनके निस्तारण की प्रगति, संतुष्टि स्तर तथा लंबित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को प्रकरणों का समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

शिकायतों के सही श्रेणीकरण और समयबद्ध निस्तारण पर विशेष जोर

निरीक्षण के दौरान श्री मीणा ने बाढ़, अतिवृष्टि, प्राकृतिक आपदाओं से हुई क्षति, राहत सहायता तथा अन्य आपदा संबंधी शिकायतों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों का विषयानुसार उचित श्रेणीकरण सुनिश्चित किया जाए। इससे संबंधित मामलों का प्रभावी और त्वरित निस्तारण संभव हो सकेगा। उन्होंने निर्देश दिए कि कर्मचारियों से जुड़े मामलों को एम्प्लोई श्रेणी में दर्ज किया जाए तथा आवश्यकता अनुसार शिकायतों का तार्किक पुनः श्रेणीकरण किया जाए। साथ ही उन्होंने कहा कि अर्जेंट श्रेणी में दर्ज सभी शिकायतों का निस्तारण निर्धारित समय सीमा के भीतर प्राथमिकता के आधार पर किया जाना सुनिश्चित किया जाए।

शिकायत निस्तारण व्यवस्था हो अधिक प्रभावी

समीक्षा के दौरान विशिष्ट शासन सचिव महावीर प्रसाद मीणा ने शिकायत निस्तारण व्यवस्था की समग्र प्रगति का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि आमजन को त्वरित राहत प्रदान करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। शिकायतकर्ताओं के संतुष्टि प्रतिशत को और अधिक बढ़ाने के लिए अतिरिक्त प्रयास किए जाएं। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बुनकर संघ से संबंधित शिकायतों की भी अलग से समीक्षा करते हुए उनके प्रभावी समाधान के निर्देश प्रदान किए।

कॉल सेंटर से परिवादियों के अभाव-अभियोग सुने, त्वरित समाधान के दिए निर्देश-

निरीक्षण के दौरान उन्होंने राजस्थान संपर्क कॉल सेंटर के माध्यम से विभाग एवं जैसलमेर जिले से संबंधित विभिन्न परिवादियों से दूरभाष पर संवाद कर उनकी समस्याओं एवं शिकायतों की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को परिवादों का प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सम्पादकीय

उम्मीद बनाम अनुभव

अमेरिका और ईरान के बीच समझौते के लिए सहमति की खबर सामने आते ही तेल की कीमतों में भारी गिरावट आई और शेयर बाजारों में उछाल देखने को मिली। यह समझौता 108 दिनों से जारी शत्रुता को समाप्त कर सकता है जिसने वैश्विक अर्थव्यवस्था को गंभीर कठिनाइयों में डाल दिया था। पाकिस्तान की मध्यस्थता से संभव हुए इस समझौते पर 19 जून को जिनेवा में हस्ताक्षर होना है। इसका विस्तृत पाठ अभी प्रकाशित नहीं हुआ है लेकिन उपलब्ध जानकारी कुछ प्रमुख मुद्दों पर सहमति का संकेत देती है। यद्यपि अमेरिकी राष्ट्रपति के उत्साही सोशल मीडिया संदेशों, ईरानी अधिकारियों के सतर्क बयानों और एक ठोस समझौते के बीच कई बाधाएं अभी भी मौजूद हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर कहा कि उन्होंने होर्मुज स्ट्रेट को शुल्क मुक्त रूप से खोलने और तत्काल अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी हटाने की अनुमति दी है। उन्होंने उत्साहपूर्वक लिखा, ‘तेल को बहने दो।’ ईरानी उप विदेश मंत्री ने सरकारी टीवी पर स्पष्ट किया कि दोनों पक्षों ने एक समझौता पत्र पर सहमति जताई है। यह समझौता पत्र एक अंतरिम समझौता है और 60 दिनों के भीतर अंतिम समझौते तक पहुंचने की शुरुआत है। समयसीमा को आपसी सहमति से बढ़ाया जा सकता है। ईरान ने पुष्टि की है कि होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोला जाएगा लेकिन इसकी समयसीमा अभी स्पष्ट नहीं है।

अमेरिका ने जहां इसे तत्काल पुनः खोलने की बात की है वहीं ईरान का कहना है कि अमेरिका नाकाबंदी हटाकर 30 दिनों में नौवहन को पूर्ण क्षमता तक ले जाएगा। शर्तों के अनुसार अमेरिका और उसके क्षेत्रीय साझेदार ईरान के लिए 300 अरब डॉलर का पुनर्निर्माण कार्यक्रम शुरू करेंगे। अमेरिका नए प्रतिबंध नहीं लगाएगा और तय समय-सारणी के अनुसार मौजूदा प्रतिबंध हटाएगा तथा ईरान की 25 अरब डॉलर की जब्त की गई परिसंपत्ति मुक्त करेगा। हालांकि यह अंतिम शर्त अमेरिकी संस्करण में अनुपस्थित बताई जा रही है।

मसौदे के अनुसार परमाणु कार्यक्रम पर बाद में बातचीत होगी। ईरान ने दोहराया कि वह परमाणु हथियार नहीं बनाएगा या हासिल नहीं करेगा और आगे संवर्धन से परहेज करेगा। अमेरिका ने कथित तौर पर ईरान को अपने ही क्षेत्र में यूरेनियम भंडार को कम करने की अनुमति दी है। पाकिस्तान ने कहा कि समझौते में सभी सैन्य अभियानों को रोकना शामिल है जिनमें लेबनान भी है जहां इजरायल, ईरान समर्थित हिजबुल्लाह के खिलाफ अभियान चला रहा है। हालांकि इजरायल ने कहा है कि उसकी सेनाएं वहीं रहेंगी। यह असहमति समझौते में सबसे बड़ी बाधा बनी हुई है। हम पहले भी यह देख चुके हैं कि समझौते पर विफलता ने 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल की ओर से शत्रुता को दोगुना कर दिया था। गत 11 अप्रैल को युद्धविराम के बाद नई वार्ताएं हुईं। इस बार अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस बातचीत में शामिल थे। 21 घंटे तक चली लंबी वार्ता विफल रही और दो दिन बाद अमेरिका ने होर्मुज स्ट्रेट पर नौसैनिक नाकाबंदी लागू कर दी। इस बीच मार्च से शुरू हुई इजरायली कार्रवाइयां लेबनान में अब भी जारी हैं। इजरायल ने अमेरिका द्वारा कराए गए युद्धविराम का पालन नहीं किया। अब उसका कहना है कि वह अमेरिका-ईरान वार्ता का हिस्सा नहीं है। इस बीच पश्चिम एशिया की एकमात्र परमाणु शक्ति के रूप में उसकी स्वतंत्र कार्रवाइयां ईरान की चिंताओं को बढ़ा रही हैं जो परमाणु अप्रसार संधि का हस्ताक्षरकर्ता है जबकि इजरायल ने हस्ताक्षर नहीं किए हैं।

एंथ्रोपिक विवाद ने दिखा दिया आईना, एआई मॉडल नीति पर पुनर्विचार की संभावनायें तेज

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

राहुल भारद्वाज
पत्रकार
@jagrukjanta.net

1998 के पोखरण-2 परीक्षणों के बाद भारत को अपने सुपर-कंप्यूटिंग संसाधन, मौसम-पूर्वानुमान प्रोग्रामिंग और ₹ ायोजेनिक रॉकेट इंजन स्वयं विकसित करने पड़े क्योंकि प्रतिबंध लागू थे। लगता है कि भारत को एआई में भी इसी तरह का प्रयास करना होगा।

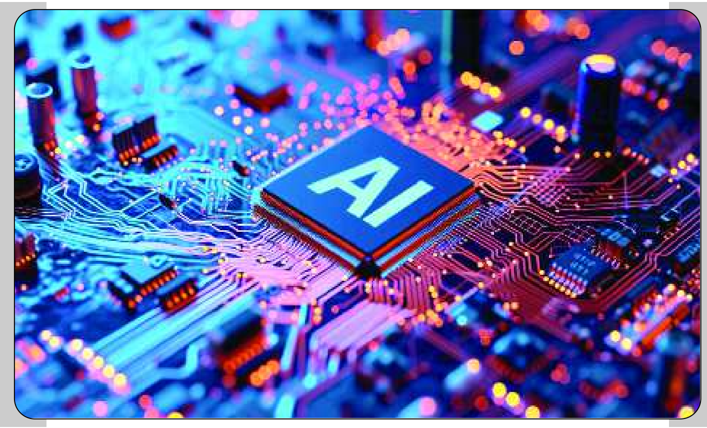

अमेरिकी सरकार द्वारा एंथ्रोपिक के नवीनतम आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआइ) मॉडलों की पहुंच सीमित करने के निर्देश के कई नीतिगत प्रभाव हो सकते हैं। यह एआई के विकास को लेकर भूराजनीति में बदलाव लाने वाला है और इसके चलते निवेशक एआई से जुड़े कारोबारों में निवेश के मूल्यांकन की समीक्षा भी कर सकते हैं। गत दिनों अमेरिकी वाणिज्य मंत्री ने ‘निर्यात नियंत्रण निर्देश’ जारी किए जिनके अनुसार एंथ्रोपिक को आदेश दिया गया कि वह अपने दो सबसे शक्तिशाली एआई मॉडल क्लॉड फेबल 5 और क्लॉड मिथोस 5 तक सभी गैर अमेरिकियों (एंथ्रोपिक में कार्यरत गैर अमेरिकियों समेत) की पहुंच रद्द कर दे। इस पत्र में राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं का हवाला दिया गया है।

एंथ्रोपिक ने कहा, ‘हमें अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए अपने सभी ग्राहकों के लिए फेबल 5 और मिथोस 5 को तुरंत निष्क्रिय करना होगा।’ कंपनी का मानना है कि यह आदेश एक गलतफहमी के चलते जारी किया गया है। चिंताएं संभावित ‘जेल ब्रेक’ पर केंद्रित हैं। इस उद्योग की भाषा में जेल ब्रेक उन तरीकों को खोजने को कहते हैं जिनसे उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में कार्यरत मॉडल पर लगाए गए प्रतिबंध और सुरक्षा उपाय हटाए जा सकें। एंथ्रोपिक ने फेबल 5 को मूल मॉडल मिथोस पर आधारित किया था जिसे उसने अप्रैल में लॉन्च किया था। मिथोस को बड़े पैमाने पर जारी नहीं किया गया क्योंकि इसे सुरक्षा उपायों के बिना बहुत अधिक शक्तिशाली माना गया। इसने सभी प्रमुख ऑपरेटिंग सिस्टम और वेब ब्राउजर में खामियां और कमजोरियां पहचानी थीं।

एंथ्रोपिक ने एक नियंत्रित पायलट परियोजना ग्लासविंग की शुरुआत की जिसमें गूगल, ऐपल, एमेजॉन, माइक्रोसॉफ्ट और क्राउडस्ट्राइक सहित करीब 50 जानी मानी कंपनियों को मिथोस का उपयोग रक्षात्मक साइबर सुरक्षा के लिए करने के लिए आमंत्रित किया गया था। आशंका थी कि बिना सुरक्षा उपायों के इसका उपयोग बैंकिंग और वित्तीय उद्योग में प्रयुक्त प्रणालियों को हैक करने या जैविक हथियार बनाने के लिए भी किया जा सकता है।

कंपनी ने बीते दिनों फेबल 5 को जारी किया जिसमें ग्लासविंग से मिली सीखों से उत्पन्न सुरक्षा शामिल की गई है। अगर कोई फेबल 5 को चलाकार किसी अहम सिस्टम को हैक करने या हथियार बनाने की कोशिश करता है तो यह मॉडल पुराने कम शक्तिशाली संस्करण की ओर लौट सकता है। अमेरिकी निर्देशों में ऐसी घटना का हवाला है जहां सुरक्षा प्रतिबंधों को धता बताने में कामयाबी मिली। एंथ्रोपिक नहीं मानती कि जेल ब्रेक का कोई गंभीर परिणाम है या यह कामयाब हुआ है।

संभव है कि कंपनी अमेरिकी सरकार को आदेश वापस लेने या उसमें संशोधन करने के लिए राजी कर ले। कुछ लोगों के मुताबिक अमेरिकी प्रशासन ने बदले की कार्रवाई की है क्योंकि पहले पहले एक विवाद में एंथ्रोपिक ने पेंटागन को अपने मॉडलों का उपयोग जन निगरानी और स्वायत्त हथियारों के विकास के लिए करने से मना कर दिया था। एंथ्रोपिक एक प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की कोशिश कर रही है और आदेश से पहले वह 1 लाख करोड़ डॉलर से अधिक मूल्यांकन पर रकम जुटा सकती थी। चैटजीपीटी की मूल कंपनी ओपनएआई भी आईपीओ लाने वाली है। यह आदेश नीति संबंधी अनिश्चितताओं को सामने लाता है जिन्हें मूल्यांकन ढांचे में समायोजित करना कठिन होगा। लेकिन यदि कोई एआई मॉडल कितना भी अच्छा हो लेकिन सरकारें उसे व्यावसायिक रूप से लागू करने की अनुमति ही न दें तो क्या होगा? चर्चा हुई है कि एक विकेन्द्रीकृत एआई विकास मॉडल अपनाया जाए जहां किसी एक सरकार के पास पहुंच रद्द करने की शक्ति न हो। यद्यपि अन्य सरकारें भी अमेरिका की तरह प्रतिबंध लगा सकती हैं और विकेंद्रीकरण का अर्थ होगा पूंजी जुटाने के लिए जटिल कॉरपोरेट संरचनाएं स्थापित करना।

इस आदेश ने एआई अनुसंधान और विकास की भूराजनीतिक धारणाओं को बुनियादी तौर पर बदल दिया है। इन्फोसिस के संस्थापकों में से एक नंदन नीलेकणी ने पहले सुझाव दिया था कि भारत नए मॉडल बनाने के बजाय उपयोग मामलों के विकास पर ध्यान केंद्रित करे। लेकिन अब यह संसाधनों का उचित आवंटन नहीं लगता। अमेरिका ने पहले भी प्रतिबंध लगाए हैं। 1998 के पोखरण-2 परीक्षणों के बाद भारत को अपने सुपर-कंप्यूटिंग संसाधन, मौसम-पूर्वानुमान प्रोग्रामिंग और क्रायोजेनिक रॉकेट इंजन स्वयं विकसित करने पड़े क्योंकि प्रतिबंध लागू थे। लगता है कि भारत को एआई में भी इसी तरह का प्रयास करना होगा। घरेलू एआई मॉडल बनाने के लिए संसाधनों के समावेशन को तेज करना होगा। यह घटना इस तथ्य को और अधिक रेखांकित करती है कि एआई और एआई तक पहुंच को संप्रभु राष्टों द्वारा रणनीतिक संपत्ति के रूप में देखा जाना चाहिए न कि केवल व्यावसायिक संसाधन के रूप में।

सपना वो है जो हमारी नींद भंग करे

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सपना केवल मनोरम दृश्य नहीं है।यह कल्पना का साम्राज्य भी नहीं है। सपना वो है जो हमारी नींद को भंग कर देता है। सतत जागरण और लक्ष्य पूर्ति की प्रेरणा देता है। हम को योजनाबद्ध और समयबद्ध ढंग से परिश्रम और स्वाध्याय के लिए बाध्य करता है।

गोपाल प्रभाकर
पत्रकार
@jagrukjanta.net

आखरआखर झरे उजियार

हम उस सपने की बात नहीं करते जो शेखचिल्ली देखा करते हैं। कुली का किस्सा है कि उसने रेल से उतरे यात्री का सामान उतारा। सिर कंधे पर रखा और चल दिया। रास्ते में उसका चिंतन शुरू हुआ। ये सामान यात्री के वाहन तक पहुंचा दूंगा। मुझे इतना मेहनताना मिलेगा। उससे ये खरीद लूंगा। वो खरीद लूंगा। एक लॉटरी का टिकट खरीद लूंगा। मेरी लॉटरी खुलेगी। लाखों का मालिक बन जाऊंगा। फिर बंगले के बरामदे में बैठ अखबार पढ़ूंगा। बीवी पूछेगी, आप चाय लेंगे। मैं मना कर दूंगा। वो दुबारा पूछेगी, चाय बना रही हूँ। आप चाय लेंगे? मैं इनकार कर दूंगा, आपको मना कर दिया न? इस मना करने के साथ ही उसके सिर और कंधे पर रखा सामान नीचे गिर गया। यात्री उस पर चिल्लाया, ये क्या किया तुमने। मेरा सारा कीमती सामान बिखेर दिया।एक प्रतियोगी का सपना शेखचिल्ली का सपना नहीं होता। वह मेहनत मांगता है। सपना पूरा करने के लिए होश,जोश और जुनून मांगता है। सपना तो कहता है कि हे बटोही, चलने से पहले अपने मार्ग की पहचान कर ले। मंजिल तक पहुंचने के लिए रोड मेप तय कर ले। कैसे, किस दिशा में, किस गति से आगे बढ़ते जाना है, तब जाकर गंतव्य तक पहुंच सकेंगे।

हमारे देश के राष्टपति ए पी जे अब्दुल कलाम कहा करते थे, सपने वो होते हैं, जो हमें सोने नहीं देते। एक सच्चे स्वाध्याय निष्ठ साधक या प्रतियोगी के सारे सपने, नींद और जागरण अपने ध्येय को समर्पित हो जाते हैं।

केवल पुस्तकीय जान भी पर्याप्त नहीं है। हमारे शास्त्र कहते हैं कि पुस्तक में स्थित विद्या और दूसरे के हाथ चला गया धन किसी काम नहीं आता। सचमुच विद्या वो ही उपयोगी है जो जीवन की समस्याओं का हल करने में मदद करे ! हमें विवेक प्रदान करे और मंज़िल पाने की राह को आसान बनाए।

बदलना ही होगा लड़की को और लड़की के लिए परिवार को

मजाज़ साहब का शेर है-

तिरे माथे पे ये आंचल बहुत ही खूब है लेकिन
तू इस आंचल से इक परचम बना लेती तो अच्छा था

संतोष मिश्रा
पकार
@jagrukjanta.net

बरसों पहले लिखे इस शेर में असर था। लड़कियों ने आंचल में उलझी शर्म को झटककर उसे इंकलाब में बदला। घरों से निकलीं। खूब पढ़ी लिखीं, नौकरी की और अपने पांवों पर खड़ी हुईं। इसके लिए दूसरे शहरों में जाकर अकेला रहना शुरू किया। घर वालों और रिश्तेदारों से बगावत कर शादियां भी कीं। पर बीते कुछ दिनों में श्रद्धा, अंकिता, किरन नेगी और बॉलीवुड में कई लड़कियां हत्या और आत्महत्या का शिकार हुई हैं। तेजी से बदलता समाज और परिवार भी ऐसे हादसों को देखकर डर रहे हैं। लग रहा है कि कहीं न कहीं कोई बड़ी गलती हो रही है और इस गलती को कोई सबसे ज्यादा दुरुस्त कर सकता है तो वो हैं खुद लड़कियां और परिवार।

बात गलतियों की, तो यह पूरे समाज की हैं। परिवार के संस्कारों की हैं। समाज में बरसों से कायम पुरुषवाद की हैं और इस वाद को खत्म करने में जल्दबाजी करती और सही सामंजस्य बना पाने में नाकामयाब रहती युवा महिलाओं की हैं। समझदारी और आजादी को साथ-साथ लेकर चलना होगा। भारतीय समाज में जिस तरह के बदलाव आए हैं, उसमें युवतियों को पहले के मुकाबले काफी हद तक आजादी दी गई है लेकिन अभी भी शादी या लिव-इन जैसे सम्बन्ध तोड़कर वापस घर आने वाली लड़कियों के लिए दरवाजे आसानी से नहीं खुल रहे हैं। सिर्फ इस डर से कि लोग या समाज क्या कहेगा, अभिभावक अपनी बेटियों के लिए वापसी के दरवाजे उस प्यार से नहीं खोलते, जिस प्यार से उन्होंने बच्ची को पाला होता है।

ऐसी हालत में लड़की उस रिश्ते को ढोती है जिसे उसमें आए दिन अपमान या गाली, थप्पड़ और लात घूंसों का सामना करना पड़ता है। श्रद्धा का मामला इस लिहाज से थोड़ा अलग है। इस मामले में पीड़िता के माता-पिता खुद ही एक दूसरे से अलग रहते थे। मां ने आफताब से रिश्ते के लिए मना भी किया। उसने उसके पिता से भी बात कराकर सम्बन्ध को रोकना चाहा लेकिन श्रद्धा मार खाकर भी वापस आने को तैयार नहीं हुई। कई दूसरे मामलों में घर से बगावत करके नौकरी या शादी में गई लड़की भी इसीलिए पति या साथी की प्रताड़ना को झेलती रहती है क्योंकि उसे पता है कि घर और समाज उसकी वापसी का स्वागत नहीं करेगा। यही हालात बदलने होंगे। परिवारों को अपनी बेटियों को प्रोटेक्शन देना होगा। उसके हितों की लड़ाई लड़नी होगी। माहौल तब बदलेगा। और अगर घर वाले भी नहीं बदलते तो लड़की को खुद में इतनी ताकत लानी होगी कि वह दूसरी बगावत को भी तैयार रहे। यानी एक बार तो वह घर वालों से लड़कर अपने फैसले के लिए बाहर निकली है। अब अगर नए रिश्ते में भी वह खुश नहीं है और उसके साथ अत्याचार हो रहा है तो उसे फिर से बागी होना होगा। आखिर जब एक युवती प्रेमी के लिए घर छोड़ सकती है तो प्रेम के न रहने पर प्रेमी, पति या लिव-इन साथी को क्यों नहीं।

गलती एक बरदाश्त की जा सकती है, दो की जा सकती हैं लेकिन तीसरी गलती का मौका भी नहीं देना चाहिए। जब लड़की प्रेम के लिए सारे बंधन तोड़ के निकली तो वह मार कैसे खा सकती है। पहले थप्पड़ का ही मजबूत जवाब देना चाहिए। हाथ-पांव से संभव न हो तो कानून के जरिए। इसके लिए हर समझदार युवती के लिए जरूरी है कि वह अपनी आर्थिक मजबूती का हमेशा ख़याल रखे और खुद को सक्षम बनाए। पुरानी पीढ़ी की ज्यादातर महिलाओं ने मर्द की हिंसा को इसीलिए बर्दाश्त किया क्योंकि अकेले जीने के लिए उनके पास कोई जरिया नहीं था और घर वालों को समाज से डर लगता था। आज की बच्चियों को पहला ध्यान अपने स्किल डिवेलपमेंट और पढ़ाई के जरिए आर्थिक रूप से सक्षम होने पर देना चाहिए। एक बार रोजगार की गारंटी हुई तो फिर वह खुलकर अपने फैसले ले सकती हैं और हर हमले का मजबूत जवाब दे सकती हैं। अपनी भावुकता को उन्हें व्यवहारिकता में बदलना ही होगा, नहीं तो न जाने कब उनका साथी आफताब या सुशील शर्मा हो जाए, इस बात की क्या गारंटी। ऐसे लोगों की पहचान पहले थप्पड़ से ही हो जानी चाहिए। वरना यह सोचना अब आपकी मजबूरी है कि दुनिया में ऐसे ऐसे लोग भी हैं जो किसी को मार कर, उसकी लाश को काटकर फ्रिज में भरकर, फिर घर में दूसरी लड़की लाकर उसके साथ भी मोहब्बत का नाटक कर सकते हैं। इतना यकीन है कि मां-बाप समाज से भले ही डरते हों लेकिन आप के ऐसे खराब हश्र की कल्पना वह कभी नहीं कर सकते। पहले आप का फैसला गलत साबित हुआ। फिर भी ऐसे किसी झगड़े में, संशय की स्थिति में और मजबूर हो जाने पर आपके मां-बाप हमेशा आप के साथ होंगे, ऐसी उम्मीद रखिए। अभिभावकों को भी सलाह है कि बच्चों से इतने नाराज कभी न हों कि वह यह सोचने लगें कि आप तक जाने का तो रास्ता ही बंद है। लड़कियों के साथ हो रही ऐसी त्रासदियों के वक्त में भारी मन से यह शेर और बात खत्म कि...

कोई इल्ज़ाम रह गया हो तो वो भी लगा दो
पहले भी हम बुरे थे अब थोड़ा और बुरा बना दो

संस्मरण : यूरोप यात्रा-2

सपनों का यूरोप : जहाँ गाड़ियों से ज़्यादा हैं साइकिलें

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

यूरोप यात्रा की इस दूसरी सीरीज में हम नीदरलैंड, बेल्जियम और जर्मनी की सैर को चलते हैं। जाहिर है किसी भी देश को घूमते समय सिर्फ पर्यटन स्थल देखना ही उद्देश्य नहीं होता, बल्कि हम वहां की कला ,संस्कृति, इतिहास, भौगोलिक स्थिति, वहां के लोगों, रहन-सहन और जनजीवन से भी प्रभावित होते हैं। साइकिलिंग यूरोप और खास तौर पर नीदरलैंड में सबसे ज्यादा देखने को मिलती है। बेशक, यह पर्यावरण और सेहत के प्रति उनकी जागरूकता को दर्शाती है। ट्रैफिक अनुशासन भी यहां बेमिसाल है। ऐसा अनुपालन हमारे यहां हो, तो सड़क दुर्घटनाओं में काफी कमी आ सकती है।

मंजू माहेश्वरी
पत्रकार
@jagrukjanta.net

यूरोप की यात्रा सिर्फ नई जगहों को देखना नहीं, बल्कि एक आधुनिक, अनुशासित और खूबसूरत जीवनशैली को करीब से महसूस करना है। आइए चलते हैं यूरोप के तीन खूबसूरत देशों—नीदरलैंड, बेल्जियम और जर्मनी के एक यादगार सफर पर।

- **नीदरलैंड:** ट्यूलिप की महक और साइकिलों का अनोखा संसार नीदरलैंड (जिसे पहले 'हॉलैंड' के नाम से जाना जाता था) अपनी अनूठी संस्कृति और पर्यावरण के प्रति प्रेम के लिए जाना जाता है।
- **द हेग और मदुरोदम:** हेग शहर जहाँ अंतरराष्ट्रीय न्यायालय का मुख्यालय है, वहीं यहाँ का 'मदुरोदम' थीम पार्क बेहद खास है। यहाँ पूरे नीदरलैंड की ऐतिहासिक कहानियों, पवन चक्कियों और प्रसिद्ध सांस्कृतिक स्थलों के लघु रूप सजे हैं।
- **क्यूकेनहोफ गार्डन :** (यूरोप का बगीचा) लिसे में 32 हेक्टेयर में फैला यह पार्क दुनिया का सबसे बड़ा फूलों का बाग है। यहां वसंत के मौसम में लाखों ट्यूलिप खिलते हैं, जिन्हें दुनिया भर में निर्यात किया जाता है। बॉलीवुड प्रेमियों के लिए यह जगह और भी खास है, क्योंकि फिल्म 'सिलसिला' के प्रसिद्ध गाने 'देखा एक ख्वाब तो ये सिलसिले हुए...' की शूटिंग यहीं हुई थी। यह आमतौर पर मार्च से मई के मध्य तक पर्यटकों के लिए खुलता है।
- **एम्सटर्डम की नहरें:** राजधानी एम्सटर्डम में 17वीं सदी की ऐतिहासिक नहरें यूनेस्को की विश्व धरोहर हैं, जहाँ बोट क्रूज की सवारी एक जादुई अनुभव देती है।
- **दिलचस्प बात:** नीदरलैंड दुनिया का इकलौता ऐसा देश है जहाँ इंसानों से ज़्यादा साइकिलें हैं! यहाँ साइकिल चलाना केवल शौक नहीं, जीवनशैली है। कारों के पीछे साइकिल स्टैंड लगे होते हैं। लोग कार से लंबी दूरी तय कर पार्किंग तक आते हैं और फिर वहाँ से ऑफिस या बाजार साइकिल से जाते हैं। यहाँ हर छोटे-बड़े शहर में ऐप-बेस्ड पब्लिक साइकिल शेयरिंग सिस्टम है, जहाँ बहुत कम किराए पर साइकिल उपलब्ध हो जाती है।

बेल्जियमः आधुनिक वास्तुकला और ऐतिहासिक विरासत

बेल्जियम इतिहास और आधुनिक विज्ञान का एक बेहतरीन मिश्रण पेश करता है।

- **ब्रूसेल्स और ग्रैंड प्लेसः** देश की धड़कन कही जाने वाली राजधानी ब्रसेल्स का 'ग्रैंड प्लेस' यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल है और अपनी भव्यता से दिल जीत लेता है।
- **अद्भुत 'एटोमियम':** यह 335 फीट ऊँचा विशाल ढांचा बेल्जियम की आधुनिक वास्तुकला और विज्ञान का प्रतीक है। यह लोहे के क्रिस्टल का 165 अरब गुना बड़ा मॉडल है, जो परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग को दर्शाता है। इसके 9 गोलों में विज्ञान प्रदर्शनियां और लाइट शो होते हैं। इसके सबसे ऊपरी गोले में बने पैनोरमिक रेस्टोरेंट से पूरे शहर का नजारा दिखता है। यहाँ 1958 में लगी लिफ्ट आज भी दुनिया की सबसे तेज लिफ्टों में से एक है।
- **ब्रूग्सः** यहाँ 'मिन वाटर' झील और खूबसूरत नहरों में नाव की सवारी करते हुए शहर को निहारना किसी सपने जैसा लगता है।

जर्मनीः इतिहास, आधुनिकता और ब्लैक फॉरेस्ट का जादू

जर्मनी का अपना एक समृद्ध और गहरा इतिहास है, जो आज की आधुनिक गगनचुंबी इमारतों के साथ कदमताल करता नजर आता है।

- **फ्रैंकफर्ट और कोलोनः** जर्मनी का आर्थिक केंद्र 'फ्रैंकफर्ट' अपनी गगनचुंबी आधुनिक इमारतों के लिए प्रसिद्ध है, तो वहीं यहाँ का 'कोलोन कैथेड्रल' दुनिया के सबसे भव्य और बड़े गोथिक चर्चों में से एक है।
- **राइन घाटी और बर्लिनः** राइन घाटी में क्रूज का आनंद लेते हुए वाइन चखने का अनुभव लाजवाब है। वहीं राजधानी बर्लिन में आप ऐतिहासिक 'बर्लिन की दीवार', प्राचीन स्मारकों और यहाँ की जीवंत नाइट लाइफ का लुत्फ उठा सकते हैं।
- **ब्लैक फॉरेस्ट और कुक्कू घड़ियाँः** जर्मनी का ट्रेन नेटवर्क बेहद उम्दा है, जिससे सफर आसान हो जाता है। यहाँ का 'ब्लैक फॉरेस्ट' क्षेत्र घने जंगलों, खूबसूरत झीलों और अपनी पारंपरिक 'कुक्कू घड़ियों' के लिए दुनिया भर में मशहूर है।

सिविक सेंस : जो हमें यूरोप से सीखना चाहिए

यूरोप की यात्रा में जो बात सबसे ज्यादा प्रभावित करती है, वह है वहाँ के नागरिकों का 'सिविक सेंस' (नागरिक समझ) और अनुशासनः

- **सख्त ट्रैफिक नियमः** यहाँ ज्यादातर देशों में ड्राइविंग सीट बाईं ओर होती है और वाहनों को दाईं तरफ चलना होता है।
- **पैदल यात्रियों का सम्मानः** यदि आपको सड़क पार करनी है, तो जेब्रा क्रॉसिंग ही एकमात्र जरिया है। खास बात यह है कि यदि कोई पैदल यात्री क्रॉसिंग के पास सिर्फ खड़ा भी हो जाए, तो आने वाली गाड़ियाँ बहुत दूर ही बड़े धैर्य से रुक जाती हैं।
- **कोई अफरा-तफरी नहीं:** न तो वाहन चालक को जल्दी होती है और न ही पैदल चलने वाले को। 'पहले मैं निकलूं' की कोई होड़ नहीं दिखती और हॉर्न की आवाज तो पूरे सफर में बमुश्किल ही कहीं सुनाई देती है। नियमों का यह कड़ाई और स्वेच्छा से पालन वास्तव में अनुकरणीय है।

पंचांग

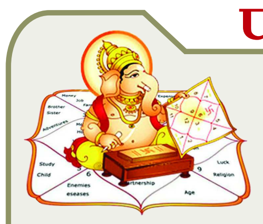

ज्योतिर्विद् अक्षय शास्त्री

साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 17/06/2026

सूर्योदय : 05:36 **सूर्यास्त :** 19:18 **चन्द्रोदय :** 07:38 **चन्द्रास्त :** 21:51**शक सम्वत :** 1948 पराभव **विक्रम संवत :** 2083 सिद्धार्थी **अमान्ता महीना :** ज्येष्ठ पूर्णिमांत : ज्येष्ठ **सूर्य राशि :** मिथुन **चन्द्र राशि :** मिथुन **पक्ष :** शुक्ल **तिथि :** तृतीया, 21:43 तक **वार :** बुधवार **दिक्-वैदिक अयन :** उत्तरायण **दिक्-वैदिक ऋतु :** ग्रीष्म **कलियुग :** 5127 वर्ष

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र :	पुनर्वसु, 13:38 तक	**प्रथम करण :**	तैतिल, 11:15 तक
योग :	ध्रुव, 20:51 तक	**द्वितीय करण :**	गारा, 21:43 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	04:03 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	04:23 ए एम से
विजय मुहूर्त	02:42 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	07:20 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	07:21 पी एम से
अमृत काल	11:28 ए एम से
निशिता मुहूर्त	12:2 ए एम, जून 18 से
रवि योग	01:37 पी एम से
	05:23 ए एम, जून 18

निवास और शूल

दिशा शूल : उत्तर में

राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में

होमाहुति : सूर्य, बुध

अग्निवास : पृथ्वी, आकाश

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	: 06:41 - 08:09	उद्वेग	: 18:30 - 20:01
अमृत	: 08:09 - 09:38	शुभ	: 20:01 - 21:32
काल काल वेला	: 09:38 - 11:07	अमृत	: 21:32 - 23:03
शुभ	: 11:07 - 12:35	चर	: 23:03 - 00:35
रोग वार वेला	: 12:35 - 14:04	रोग	: 00:35 - 02:06
उद्वेग	: 14:04 - 15:32	काल	: 02:06 - 03:37
चर	: 15:32 - 17:01	लाभ	: 03:37 - 05:08
लाभ	: 17:01 - 18:30	उद्वेग	: 05:08 - 06:40

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघड़िया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघड़िया माना जाता है।

आज तृतीया

आज कौन सा कार्य करें

तृतीया को यात्रा, शिल्प, चूड़ा कर्म, अन्नप्राशन व गृह प्रवेश शुभ है।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए। **ये कार्य करें :-** सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है। **यह कार्य न करें:-** उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

ज्येष्ठ, शुक्ल, तृतीया, 2083 बुधवार, 17 जून - 23 जून, 2026

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
अनावश्यक खर्चों के कारण समस्या होगी। अपनी योजनाओं को ठीक तरह से अमल में ला पायेंगे। जिस काम को अधूरा छोड़ दिये थे, उसे पूरा कर लेंगे। शरीर में जल की कमी महसूस होगी।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते)
संतान से पुराने मतभेद उभरने से पारिवारिक वातावरण अशान्त होगा। आर्थिक स्थिति बिगड़ने से कर्ज लेना पड़ सकता है। कार्य क्षेत्र पर आरंभिक बिक्री के बाद आज उदासीनता छायी रहेगी।

वृषभ (ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो)
जीवनसाथी से काफी मदद मिलेगी। सम्मानित व्यक्तियों से विचार-विमर्श करेंगे। करियर में बदलाव करना चाहते हैं, तो थोड़ा धैर्य रखें। प्रत्येक स्थिति में सबके साथ सामंजस्य बनाकर रखना होगा।

वृश्चिक (तो,ना,नी, नू,ने,नो,या,यी,यू)
नौकरी पेशाओं को अतिरिक्त कार्य मिलने से असुविधा होगी काम लापरवाही से करेंगे। मित्रो के साथ बाहर घूमने का अवसर मिलेगा। ससुराल से लाभ होगा। पारिवारिक दायित्व बढ़ने से व्यस्तता रहेगी।

मिथुन (क, की,कू,घ, ड,छ,के,को,ह)
नये सम्बन्धों में अधिक विश्वास न करें। सन्तान को लेकर निर्णय ले सकते हैं। स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही न करें। वैवाहिक अड़चनें दूर करने के लिये थोड़ा समय देना होगा।

धनु (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे)
नौकरीपेशा जातको को मेहनत का फल मिलेगा। विरोधियो पर विजय प्राप्त करेंगे। शुभ समाचार मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। साहित्यकार, लेखक एवं पत्रकारों के लिए सप्ताह विशेष लाभदायक रहेगा।

कर्क (हि, हु, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो)
कार्य क्षेत्र या घर में परिवर्तन अथवा साज सज्जा में बदलाव भी कर सकते है समाज के प्रतिष्ठित लोगो से सम्मान मिलेगा लेकिन आर्थिक लाभ थोड़ा विलम्ब से होगा। दाम्पत्य सुख उत्तम रहेगा।

मकर (भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,)
परिजनों के साथ मित्रवत व्यवहार रहेगा। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति के कारण खर्च बढ़ने से असहज अनुभव करेंगे। उधार से बचे। सेहत ठीक रहेगी। आलस्य का वातावरण रहेगा।

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे)
व्यवहार कुशलता व संतोषि स्वभाव से सम्मानित होंगे। उधारी वसूलने में परेशानी आ सकती है। घर में मेहमानों के आने से वातावरण आनंदित होगा। पारिवारिक खर्च बढ़ने से परेशानी भी होगी।

कुंभ (गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा)
नए कार्यो का आरंभ आज ना करें ना ही किसी को उधार दें। इसके बाद परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलने लगेगा लेकिन घरेलू आवश्यकताओं को नजरअंदाज करने से अशांति बढ़ेगी।

कन्या (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
मित्र परिजनों के साथ ज्यादा समय बिताना पसंद करेंगे। फिजूल खर्ची से बचें। शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहने से सप्ताह उत्साह पूर्ण रहेगा।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, चि)
आर्थिक लाभ के लिए अधिक प्रयत्न करना पड़ेगा मध्यान के समय किसी मनोकामना की पूर्ति होने से प्रसन्न रहेंगे।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

कालाबाजारी व अवैध भंडारण के विरूद्ध करें सख्त कार्रवाई- मुख्यमंत्री

प्रदेश में उर्वरक का पर्याप्त स्टॉक

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश में आगामी खरीफ सीजन के लिए उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता है। इनके संतुलित उपयोग के लिए ऑनलाइन रिकॉर्ड संधारित किया जाए, जिससे किसान की उर्वरक आवश्यकता की तथ्यात्मक जानकारी मिल सकेगी। उन्होंने कालाबाजारी व अवैध भंडारण के विरूद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित बैठक में कृषि एवं सहकारिता विभाग के अधिकारियों को उर्वरकों एवं प्राकृतिक खेती के संबंध में निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कृषि पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण दिया जाए, जिससे वे कृषकों को प्राकृतिक एवं जैविक खेती अपनाने के लिए प्रेरित कर सकें। साथ ही, उर्वरकों के संयमित उपयोग से उत्तम पैदावार लेने की जानकारी भी दे सकें।

उन्होंने कहा कि मृदा परीक्षण कर आवश्यकता अनुरूप उर्वरकों के उपयोग को बढ़ावा दिया जाया। इस कार्य में किसान कृषि वैज्ञानिक का सहयोग लें। बैठक में कंपनियों के प्रतिनिधियों ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश में उर्वरकों की निर्बाध आपूर्ति जारी रहेगी। बैठक में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, विभागीय अधिकारी तथा उर्वरक कंपनियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने की शिव आराधना

पुरुषोत्तम मास में सहस्र घट अभिषेक संपन्न

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। विद्याधर नगर सेक्टर पांच स्थित शिव हनुमान मंदिर में पुरुषोत्तम मास की महाशिवरात्रि पर सहस्त्र घट का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में महिला पुरुषों ने भाग लिया और खुशी व्यक्त की। मंदिर संचालक ज्योतिष आचार्य पंडित राजेश शर्मा के सानिध्य में 61 विद्वान पंडितों ने अभिषेक कार्य संपन्न करवाया। सहस्त्र घट कार्यक्रम में 37 जोड़ों ने प्रातः 11 बजे से इस धार्मिक अनुष्ठान में बैठकर शाम को 5 बजे तक शिव अभिषेक किया। इस दौरान सभी श्रद्धालु विद्वान पंडितों के लिए दोपहर में फलाहार एवं शाम को प्रसादी की व्यवस्था की गई। सहस्त्र घट के बारे में पंडित राजेश शर्मा ने बताया कि पुरुषोत्तम मास में शिव जी का अभिषेक करने से कई जन्मों के पाप नष्ट हो जाते हैं और भगवान भोले बाबा प्रसन्न होकर सुख संपत्ति प्रदान करते हैं।

डॉ मुकुल शर्मा के सान्निध्य में मनाएँगे 12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुरलीपुरा स्कीम स्थित संत बाबा मेहरदास मंदिर में 12वा इंटरनेशनल योग दिवस 21 जून रविवार को होम्योपैथिक डिस्पेंसरी के इंचार्ज डॉ मुकुल शर्मा के नेतृत्व में मनाया जाएगा। डॉ मुकुल ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि इस अवसर पर आमजन को योग दिवस पर अपने स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए योग शिविर में अवश्य भाग लेना चाहिए। योग दिवस पर 21 जून को प्रातः 6 से 7.30 बजे तक योग दिवस के अंतर्गत आसन और प्राणायाम करवाया जाएगा। इसके लिए योग मेट, पानी कि बोतल और आरामदायक कपड़े पहन कर आएं। डॉ शर्मा ने अपील की है कि योग दिवस पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम में सभी उम्र के बच्चे बच्चियों और महिला पुरुषों को अवश्य भाग लेना चाहिए।

हाथोज धाम में हुआ प्रभु श्रीराम पुस्तक का विमोचन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। अनुकरणीय आदर्श हमारे प्रभु श्री राम पुस्तक (हिंदी अंग्रेजी) का विमोचन हाथोज बालाजी धाम के महंत एवं हवा महल विधानसभा क्षेत्र के विधायक महाराज श्री बालमुकुंद आचार्य जी के कर कमलों से हुआ।

इस अवसर पर रामायण के संवाद संकलनकर्ता कन्हैया लाल सिंधी, संत बाबा श्री मेहरदास ट्रस्ट के अध्यक्ष लोकचंद हरीरामानी, वरिष्ठ समाजसेवी नगेंद्र वशिष्ठ, समाजसेवी गोपाल शर्मा, समाजसेवी काशीनाथ दीक्षित एवं पुस्तक के सह संपादन कर्ता शिवदयाल मिश्रा मौजूद रहे।

पिंक सिटी प्रेस के बाल अभिरुचि शिविर में बच्चों ने नाहरगढ़ जैविक उद्यान का भ्रमण किया

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। पिंकसिटी प्रेस क्लब के समर कैंप में बीते दिनों बच्चों को प्राकृतिक सौंदर्य के साथ नाहरगढ़ जैविक उद्यान का भ्रमण कराया गया। इस दौरान जैविक उद्यान के वनपाल राजाराम मीणा ने बच्चों को वनस्पति, और वन्य जीवों के सामन्जस्य एवं विचरण के बारे में विस्तृत जानकारी दी। सहायक वन संरक्षक देवेन्द्र सिंह राठौड़, क्षेत्रिय वन अधिकारी नाहरगढ़ जैविक उद्यान शुभम शर्मा ने क्लब अध्यक्ष मुकेश मीणा एवं महासचिव राजकुमार शर्मा को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस दौरान क्लब सदस्यों के परिवार के अलावा अन्य पत्रकार भी उपस्थित थे।

UEM जयपुर ने विश्व पर्यावरण दिवस सफलतापूर्वक मनाया

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। यूनिवर्सिटी ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (UEM), जयपुर ने अपने हरे-भरे कैंपस में बड़े उत्साह और सक्रिय भागीदारी के साथ विश्व पर्यावरण दिवस सफलतापूर्वक मनाया। NSS प्रोग्राम ऑफिसर और फिजिकल एजुकेशन के डायरेक्टर प्रो. डॉ. बी. एस. यादव की देखरेख में आयोजित पर्यावरण संरक्षण और जागरूकता से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों में फैकल्टी सदस्यों, स्टाफ और छात्रों सहित 100 से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया। यह कार्यक्रम नेशनल सर्विस स्कीम (NSS), उन्नत भारत अभियान (UBA), इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल (IGBC) स्टूडेंट चैप्टर और UEM जयपुर के ग्रीन क्लब द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था। इस अवसर पर वाइस-चांसलर प्रो. डॉ. बिस्वजॉय चटर्जी ने कहा कि शैक्षणिक संस्थान पर्यावरणीय जागरूकता और सस्टेनेबल विकास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। रजिस्ट्रार और प्रोवोस्ट प्रो. डॉ. प्रदीप कुमार शर्मा ने कहा कि यूनिवर्सिटी का हरा-भरा कैंपस सस्टेनेबिलिटी और पर्यावरण संरक्षण के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

NSS प्रोग्राम ऑफ़िसर और फ़िज़िकल एजुकेशन के डायरेक्टर प्रो. डॉ. बी. एस. यादव ने प्रतिभागियों से मिले उत्साहपूर्ण रिस्पॉन्स पर ख़ुशी जताई। कोऑर्डिनेटर प्रो. दीप्ता मुखर्जी ने भी अपने विचार रखें।

अभिरुचि शिविर समापन कार्यक्रम

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। सेवा भारती संमिति जयपुर के मालवीय भाग द्वारा लगाए गए 15 दिवसीय अभिरुचि शिविर का रविवार को सामुदायिक केन्द्र कुन्दनपुरा बस्ती में समापन हो गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रमुख व्यवसायी व सामाजिक कार्यकर्ता प्रदीप शर्मा, सामाजिक कार्यकर्ता कैलाश चोटिया, सेवा भारती के प्रान्त अध्यक्ष ओम प्रकाश भारती, महानगर उपाध्यक्ष चौथमल, भाग मंत्री पंकज देव, भाग सह मंत्री राजेन्द्र सिसोदिया ने दीप प्रज्वलित किया। भाग सह मंत्री राजेन्द्र ने सभी अतिथियों का परिचय करवाया और प्रकल्प प्रमुख जयपाल द्वारा आगे की कार्यवाही शुरू गई।

कार्यक्रम मे अतिथियों द्वारा सभी प्रशिक्षणार्थियो को प्रमाण पत्र वितरित किये। जिसमें सिलाई के 5, ब्यूटी पार्लर के 9 व मेहंदी के 12 प्रशिक्षणार्थि रहे। सभी प्रशिक्षणार्थियो ने प्रशिक्षण प्राप्त करने के अनुभव बताये। कार्यक्रम में मुख्यवक्ता के नाते प्रान्त अध्यक्ष ओम प्रकाश भारती रहे। कार्यक्रम के पश्चात सभी को अल्पहार दिया गया।

डॉ धाकड़ के नेतृत्व में टीम ने एक साथ बदला कूल्हे और घुटने का जोड़

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। सवाई मान सिंह चिकित्सालय के अस्थि रोग विभाग के वरिष्ठ आचार्य एवं ईकाई 3 के प्रमुख डॉ अनुराग धाकड़ ने बताया कि सवाई मान सिंह चिकित्सालय में पहली बार किसी रोगी के कूल्हे एवं घुटने का का जोड़ एक साथ बदला गया है। हेमसिंह पुत्र जयसिंह निवासी बड़नगर, तहसील पावटा जिला जयपुर सवाई मान सिंह चिकित्सालय के अस्थि रोग विभाग की तृतीय इकाई में भर्ती हुए। इनका दायीं तरफ़ का घुटना एवं बायीं तरफ़ का कूल्हे का जोड़ गठिया के कारण पूरी तरह ख़राब हो गया था। मरीज का चलना फिरना लगभग बंद सा हो गया था। किंतु डॉ अनुराग धाकड़ के द्वारा मरीज हेमसिंह को घुटने एवं कूल्हे का जोड़ बदलने का परामर्श दिया गया। फिर रोगी इकाई 3 में भर्ती हो गया। बीते दिनों मरीज हेमसिंह के दोनों जोड़ कूल्हा एवं घुटना एक साथ बदल दिए गए। कूल्हे एवं घुटने के दोनों जोड़ एक साथ बदलने का यह ऑपरेशन सवाई मान सिंह चिकित्सालय में पहली बार हुआ है। रोगी एकदम स्वस्थ है एवं ऑपरेशन के दूसरे दिन से स्वयं चल फिर रहा है। इस ऑपरेशन को डॉ अनुराग धाकड़ के नेतृत्व में करने वाले दल के अन्य सदस्यों के नाम डॉ एस के रावत (वरिष्ठ आचार्य), डॉ प्रमोद सैनी, डॉ राजेंद्र जाखड़, डॉ विपुल झाझरिया हैं। निश्चेतना चिकित्सकों के दल में डॉ श्रीफल मीणा (वरिष्ठ आचार्य) के नेतृत्व में, डॉ ममता खंडेलवाल (आचार्य) एवं डॉ भाग चंद जैन (प्रमुख विशेषज्ञ निश्चेतना) के नाम प्रमुख हैं।

15 जुलाई स आईआरसीटीसी की नई वेबसाइट

ट्रेन टिकट बुकिंग होगी तेज और आसान

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। आईआरसीटीसी वेबसाइट पर ट्रेन टिकट बुकिंग आसान होने वाली है। रेलवे के डिजिटल प्लेटफॉर्म में जल्द ही बड़ा बदलाव होगा। लॉगिन और तकनीकी खामियां दूर होंगी, जिसका फायदा करोड़ों रेल यात्रियों को मिलेगा। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने घोषणा की है कि 15 जुलाई तक आईआरसीटीसी वेबसाइट का पूरी तरह से कायाकल्प कर दिया जाएगा। पीक ऑवर्स और सुबह के समय तत्काल टिकट बुकिंग भी आसान होगी। इससे सर्वर पर अतिरिक्त दबाव नहीं पड़ेगा। और यह सब कुछ आसान हुआ है, जयपुर की लाभिषा मीणा के सुझावों की वजह से। छात्रा ने खुद ही रेल मंत्री के सामने टिकट बुकिंग में आने वाली परेशानियों को रखा था। इसके बाद रेलवे ने वेबसाइट में बदलाव की तैयारी शुरू कर दी है।

यूजर फ्रेंडली होगी रेलवे की वेबसाइट

रेलवे मंत्रालय के अनुसार, 15 जुलाई को लॉन्च होने वाली इस नई वेबसाइट का मुख्य उद्देश्य टिकट बुकिंग की पूरी प्रक्रिया को पहले से कहीं अधिक तेज, सरल और भरोसेमंद बनाना है। सबसे बड़ा बदलाव यूजर इंटरफ़ेस में किया जा रहा है, जिसे बेहद यूजर-फ्रेंडली बनाया जाएगा। इसके अलावा, वेबसाइट की कुल प्रतिक्रिया क्षमता को कई गुना बढ़ाया जा रहा है। जयपुर स्थित मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और छात्रों के बीच सीधा संवाद कार्यक्रम हुआ। तभी इंजीनियरिंग छात्रा लाभिषा मीणा ने आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर टिकट बुकिंग की परेशानियों के बारे में बताया। छात्रा ने बताया कि वेबसाइट की धीमी गति और बार-बार आने वाले जटिल कैप्चा के कारण आम यात्रियों को कितनी भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। विशेष रूप से पीक ऑवर्स और तत्काल बुकिंग के दौरान वेबसाइट का सर्वर ठप हो जाता है, जिससे आम नागरिक टिकट बुक करने से वंचित रह जाते हैं।

गोरक्षा गो संवर्धन पर्यावरण संरक्षण बिना विकसित भारत कल्पना मात्र- गोपुत्र पं. मानस संजय मिश्र

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। गौमाता सेवक समिति परिवार एवं गौसेवकों गौभक्तों ने ज्येष्ठ पुरुषोत्तम मास सोमवती अमावस्या महापर्व पर 61 वां गोसेवा महामहोत्सव श्री बजरंग दरबार गोसेवा समिति गौधाम चतरपुरा खोरा बावड़ी जयपुर में अपार हर्षोल्लास गौ संकीर्तन भजनों के साथ रुद्राभिषेक पुष्पाभिषेक करते हुए मनाया गया। इस मौके पर सामूहिक रुद्राभिषेक अनुष्ठान, हनुमान चालीसा, वेदलक्षणा गोमाता कृपा आरती की गई। कार्यक्रम में गौसेवकों अभिनंदन सम्मान किया गया।

राज्यपाल बागडे ने शहीद गोवर्धन सिंह ढाका की प्रतिमा का किया अनावरण

शहीदों का बलिदान नई पीढ़ी को देश सेवा के लिए प्रेरित करेगा-बागड़े

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि सीकर, झुंझुनूं और नागौर सहित शेखावाटी क्षेत्र के जवानों का देश की तीनों सेनाओं में विशेष योगदान है। उन्होंने कहा कि भारत की सेना में 14 लाख से अधिक जवान हैं और इनमें बड़ी संख्या में राजस्थान के वीर जवान शामिल हैं। राजस्थान वीरों और शूरवीरों की भूमि रही है, जहां के सपूतों ने प्राचीन काल से देश की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने जसरासर (लक्ष्मणगढ़) स्थित शहीद स्मारक में शहीद गोवर्धन सिंह ढाका की प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने शहीद की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रृद्धांजलि दी तथा स्मारक परिसर में पौधारोपण किया। राज्यपाल ने चित्तौड़गढ़ के बप्पा रावल और महाराणा प्रताप जैसे वीरों के योगदान को याद करते हुए कहा कि शहीद गोवर्धन सिंह ढाका का बलिदान आने वाली पीढियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा और नई पीढ़ी को राष्ट्र सेवा के लिए ऊर्जा प्रदान करेगा।

राज्यपाल बागडे ने कहा कि सामाजिक एवं धार्मिक आयोजनों में शहीदों के माता-पिता और परिवारजनों को सम्मानपूर्वक आमंत्रित करना चाहिए, ताकि समाज उनके त्याग और बलिदान को सदैव स्मरण रखे। उन्होंने बताया कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के कार्यकाल में वीरगति प्राप्त सैनिकों के पार्थिव शरीर को पूरे सम्मान के साथ उनके पैतृक गांव तक पहुंचाने की व्यवस्था की गई थी। राज्यपाल ने मंगल पांडे, खुदीराम बोस, भगत सिंह, राजगुरु सहित अन्य स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को भी याद किया। कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल ने शहीद गोवर्धन सिंह ढाका की माता भगवानी देवी एवं पत्नी सुनीता देवी सहित शहीद वीरांगनाओं को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। साथ ही शहीद की माता को सम्मान पत्र प्रदान किया गया।

जोधपुर, भोपाल, श्रीगंगानगर और रेवाड़ी यात्रियों को खातीपुरा स्टेशन से मिलेगी सीधी ट्रेन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। खातीपुरा सैटेलाइट स्टेशन अब जयपुर का दूसरा बड़ा रेलवे स्टेशन बनने वाला है। उत्तर पश्चिम रेलवे प्रशासन ने खातीपुरा से विभिन्न शहरों के लिए 12 ट्रेनों का नियमित संचालन का शेड्यूल तैयार कर लिया है। जिन्हें जयपुर जंक्शन से खातीपुरा तक विस्तारित किया जाएगा। इनमें से 3 जोड़ी ट्रेनों का संचालन 20 जून से शुरू हो रहा है।

12 की सूची तैयार, 3 जोड़ी का संचालन 20 से

रेलवे ने जयपुर-असारवा-जयपुर एक्सप्रेस, जयपुर-भोपाल-जयपुर एक्सप्रेस और यशवंतपुर-जयपुर-यशवंतपुर एक्सप्रेस का विस्तार खातीपुरा तक कर दिया है। यह 20 जून से खातीपुरा स्टेशन से ही संचालित होंगी। इसके अलावा जोधपुर-जयपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस, रींगस-जयपुर-रींगस स्पेशल, श्रीगंगानगर-जयपुर-श्रीगंगानगर एक्सप्रेस, श्रीगंगानगर-तिलक ब्रिज-श्रीगंगानगर एक्सप्रेस और जयपुर-रेवाड़ी-जयपुर पैसेंजर को भी खातीपुरा से चलाने की तैयारी है।

205 करोड़ की लागत से बना मेंटीनेंस डिपो

खातीपुरा सैटेलाइट स्टेशन पर रेलवे ने आधुनिक कोच केयर कॉम्प्लेक्स विकसित किया है। अंतिम चरण में पहुंचे इस प्रोजेक्ट में दो वॉशिंग लाइन, दो इंस्पेक्शन बे लाइन, दो लाइन का कवर्ड सिक शेड, तीन स्पर लाइन, चार स्टेबलिंग लाइन और एक व्हील लेथ लाइन विकसित की गई है। यहां डेमू, मेमू, एलएचबी कोच और वंदे भारत ट्रेनों तक का अनुरक्षण किया जा सकेगा। इसके बाद खातीपुरा से चलने वाली ट्रेनों को मेंटीनेंस के लिए जयपुर जंक्शन नहीं जाना पड़ेगा। रेलवे से मिली जानकारी के अनुसार खातीपुरा को जयपुर जंक्शन के वैकल्पिक टर्मिनल स्टेशन के रूप में विकसित किया जा रहा है। मेंटीनेंस डिपो शुरू होते ही यहां से ट्रेनों के प्रारंभ और समापन की व्यवस्था बढ़ाई जाएगी। खातीपुरा रेलवे स्टेशन को दिल्ली सराय रोहिल्ला और दिल्ली कैंट की तर्ज पर विकसित करने की योजना है। जिससे जयपुर जंक्शन पर लगातार बढ़ रहे परिचालन दबाव को कम किया जा सकेगा।

यात्रियों को मिलेंगी आधुनिक सुविधाएं

खातीपुरा स्टेशन पर हैरिटेज लुक वाला नया स्टेशन भवन, छह हाईलेवल प्लेटफॉर्म, चार नई लूप लाइनें, कवर्ड शेल्टर, फुट ओवरब्रिज, पार्किंग और वेटिंग हॉल तैयार किए गए हैं। रेलवे स्टेशन पर अभी यात्रियों के लिए डिजिटल डिस्प्ले बोर्ड, उद्घोषणा प्रणाली, आरक्षित व अनारक्षित टिकट सुविधा उपलब्ध है।

गायों को खिलाया चारा, बांधे परिण्डे

जयपुर @ जागरूक जनता। अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल महिला सम्मेलन जयपुर जिला इकाई के तत्वाधान में राजस्थान गौ सेवा संघ गौशाला, दुर्गापुरा मे AAS महिला एवं पुरुष सदस्यों के द्वारा गौमाताओ को हरा चारा, ताजी सब्जिया, फल, रोटियां एवं 16 प्रकार की दवाइयों से बने लड्डु भेंट किए गए। परिंडे उपलब्ध कराये एवं उनके लिए शीतल जल एवं अनाज उपलब्ध कराये।कार्यक्रम में वसुंधरा मित्तल, नमिता अग्रवाल, अलका अग्रवाल, ऋचा गुप्ता, चंदा अग्रवाल,आशा गुप्ता, उषा गोयल, विमला अग्रवाल, राधा जैन, उर्मिला बंसल,माधुरी गुप्ता, संगीता अग्रवाल, कमलेश गुप्ता, सुहानी अग्रवाल एवं दिनेश अग्रवाल (पंच) के द्वारा कार्य स्थल पर विशेष सहयोग से कार्य करवाया। इस दौरान कुलदीप अग्रवाल, कुंज बिहारी अग्रवाल, रामावतार अग्रवाल, आकाश अग्रवाल, हरि मोहन बंसल, मुकेश खंडेलवाल ने उपस्थित रह कर सहयोग किया।

29वां राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस सम्मेलन 1 और 2 जुलाई को जयपुर में

19 जून तक सुनिश्चित करें सभी तैयारिया-मुख्य सचिव

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। ई-गवर्नेंस पर 29वां राष्ट्रीय सम्मेलन (एनसीईजी) 1 और 2 जुलाई, 2026 को जयपुर के राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी) में आयोजित किया जाएगा। इस सम्मेलन का आयोजन प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग (डीएआरपीजी), इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) और राजस्थान सरकार द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। नैस्कॉम एवं एमएनआईटी, जयपुर कार्यक्रम के नॉलेज पार्टनर हैं। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में शासन सचिवालय में राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस सम्मेलन की तैयारियों के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित हुई। उन्होंने सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग के अधिकारियों को सभी आवश्यक तैयारियां समयबद्ध रूप से 19 जून तक सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सम्मेलन के लिए आमंत्रण पत्र प्रेषित किए जाने के प्रोटोकॉल, आउटरीच के लिए कर्टेन रेजर फिल्म तैयार करने एवं राजस्थान के ई-गवर्नेंस नवाचारों के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन सुनिश्चित किए जाने के संबंध में अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए।

कीर्ति पाठक बनीं आम आदमी पार्टी राजस्थान की कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। आम आदमी पार्टी द्वारा कीर्ति पाठक को राजस्थान प्रदेश का कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर प्रदेशभर के कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों एवं वरिष्ठ नेताओं में उत्साह का माहौल है। इस अवसर पर आम आदमी पार्टी राजस्थान के मुख्य प्रवक्ता दीपक मिश्रा ने कहा कि यह नियुक्ति पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल, राजस्थान प्रभारी धीरज टोकस, सह-प्रभारी घनेंद्र भारद्वाज तथा केंद्रीय नेतृत्व के विश्वास और दूरदर्शी सोच का परिणाम है। टोकस ने कहा कि उन्हें पूर्ण विश्वास है कि कीर्ति पाठक के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी राजस्थान में एक मजबूत, जनहितैषी और प्रभावी विपक्ष की भूमिका निभाएगी।

कोटाउज्जैन के बीच पहली बार सीधी मेमू सेवा का संचालन शुरु

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

कोटा। राजस्थान में कोटा रेलमंडल से सोमवार से कोटा से उज्जैन तक सीधी मेमू रेल सेवा का सफलतापूर्वक शुभारम्भ किया गया। गाड़ी संख्या 61624/61623 कोटा-चौमहला मेमू सेवा का उज्जैन तक विस्तार करते हुए चौमहला एवं विक्रमगढ़ आलोट रेलवे स्टेशनों पर भव्य उद्घाटन समारोह आयोजित किए गए।

अब बिना आवेदन अपने आप बनेगा मूल निवास प्रमाण पत्र

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में मूल निवास प्रमाण पत्र बनवाने के लिए ई-मित्र, तहसील और कलक्ट्रेट के चक्कर लगाने की मजबूरी अब जल्द खत्म होने वाली है। राज्य सरकार ऐसी व्यवस्था तैयार कर रही है, जिसमें लोगों को न आवेदन करना पड़ेगा और न ही दस्तावेज के साथ दफ्तारों के चक्कर काटने होंगे। पात्रता तय होते ही मूल निवास प्रमाण पत्र स्वतः जारी हो जाएगा।

आवेदक को देनी होगी सहमति

सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग राजस्थान स्मार्ट प्रोजेक्ट के तहत जन्म विवाह रजिस्ट्रेशन और सरकारी सेखा से जुड़े रिकॉर्ड को जोड़कर एक डिजिटल प्लेटफॉर्म विकसित कर रहा है। नई व्यवस्था में लोगों को मोबाइल पर भेजे गए संदेश के जरिए अपनी सहमति देनी होगी। इसके बाद उपलब्ध सरकारी रिकॉर्ड के आधार पर सिस्टम स्वतः पात्र व्यक्ति की पहचान कर मूल निवास प्रमाण पत्र जारी कर देगा। इसे एसएसओ, ई-मित्र या वाट्सऐप के माध्यम से डाउनलोड किया जा सकेगा। अधिकारियों के अनुसार तकनीकी तैयारी लगभग पूरी हो चुकी हैं। कुछ बिदुओं पर गृह विभाग से राय मांगी गई है। एक-दो महीने में यह व्यवस्था शुरू हो सकती है।

सरकारी कर्मचारियों को भी पात्रता

दूसरे राज्यों से आकर राजस्थान सरकार की सेवा में कार्यरत कर्मचारियों को 3 वर्ष की सेवा पूरी होने पर मूल निवास प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा। नई और अन्य सरकारी रिकॉर्ड के आधार पर पात्र कर्मचारियों की पहचान कर उन्हें भी इस सुविधा का लाभ मिलेगा।

ये डेटाबेस करेगा काम

» **नवजात बच्चे:** जन्म पंजीकरण डेटाबेस, पहचान पोर्टल, जनाधार
» **विवाहित महिला:** विवास पंजीकरण, पहचान पोर्टल, जनाधार
» **सरकारी कर्मचारी:** स्टेट इंश्योरेंस एंड प्रोविडेंट फंड डेटाबेस कार्मिक सेवा रिकॉर्ड व जनाधार

अभी यह लागू है प्रक्रिया

ई-मित्र या एसएसओं के माध्यम से आवेदन करना पड़ता है। राशन कार्ड आधार, जनाधार, फोटो, बीटर आइडी, बिजली-पानी के बिल समेत अन्य आवश्यक दस्तावेज संलग्न करने होते हैं। आवेदन तहसील कार्यालय पहुंचने के बाद पहले कर्मचारियों और फिर तहसीलदार स्तर पर सत्यापित किया जाता है। पूरी प्रक्रिया में 7 से 8 दिन लगते हैं।

ये भी होंगे लाभान्वित

जन्म के 10 वर्ष बाद मूल निवास: बच्चे की 10 वर्ष आयु पूर्ण होने पर पंजीयन होगा। उसी समय सिस्टम यह जांच करेगा कि बच्चे के माता-पिता राजस्थान के मूल निवासी हैं या नहीं। यदि रिकॉर्ड में माता-पिता का मूल निवास प्रमाण पत्र उपलब्ध है तो उनके मोबाइल पर मैसेज भेजा जाएगा, जिसके जरिए बच्चे का मूल निवास बनाने की सहमति मांगी जाएगी। विवाहिता महिलाओं को भी महिला यदि राजस्थान के मूल निवासी व्यक्ति से विवाह करती है ती वर्तमान नियमों के अनुसार उसे विवाह के दिन से ही मूल निवासी माना जाएगा। प्रस्तावित व्यवस्था में विवाह पंजीकरण के आधार पर ऐसी महिलाओं की पहचान कर उन्हें भी ऑनलाइन सहमति के बाद स्वतः मूल निवास प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा।

UEM जयपुर और SDN के बीच हुआ एमओयू

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। यूनिवर्सिटी ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट , जयपुर के स्कूल ऑफ़ मैनेजमेंट ने स्किल डेवलपमेंट नेटवर्क के साथ एक समझौता ज्ञापन साइन करके इंडस्ट्री और एकेडेमिया के बीच सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इस MoU पर UEM जयपुर की एसोसिएट डीन (मैनेजमेंट) प्रो. (डॉ.) प्रीति शर्मा और स्किल डेवलपमेंट नेटवर्क (SDN) के प्रतिनिधि सौम्यब्रत भट्टाचार्जी ने औपचारिक रूप से हस्ताक्षर किए। इस समझौते का उद्देश्य स्किल डेवलपमेंट, एंटरप्रेन्योरशिप, इनोवेशन, इंडस्ट्री-ओरिएंटेड शिक्षा और प्रोफेशनल क्षमता निर्माण के क्षेत्रों में सहयोग को मज़बूत करना है। MOU हस्ताक्षर सेरेमनी डॉ. पवन शर्मा, आशुतोष गौतम, महेश जाट और तन्मय की मौजूदगी में आयोजित की गई, जिनके बहुमूल्य सहयोग और भागीदारी ने इस रणनीतिक साझेदारी के महत्व को रेखांकित किया। इस सहयोग के माध्यम से, दोनों संस्थान मिलकर छात्रों के लिए बेहतर सीखने के अवसर पैदा करेंगे। इसके लिए वे स्किल-बेस्ड ट्रेनिंग प्रोग्राम, वर्कशॉप, सर्टिफिकेशन कोर्स, एंटरप्रेन्योरियल डेवलपमेंट पहल, इंडस्ट्री इंटरैक्शन और उभरती हुई इंडस्ट्री की ज़रूरतों के अनुरूप इनोवेशन-ड्रिवन गतिविधियाँ आयोजित करेंगे। इस अवसर पर बोलते हुए, प्रो. (डॉ.) प्रीति शर्मा ने ज़ोर दिया कि UEM जयपुर सार्थक साझेदारियाँ बनाकर एकेडेमिया और इंडस्ट्री के बीच की खाई को पाटने के लिए प्रतिबद्ध है।

विश्व बाल श्रम विरोधी दिवस पर माधव विवि ने निकाली जागरूकता रैली

आबूरोड @ जागरूक जनता। विश्व बाल श्रम विरोधी दिवस के अवसर पर माधव विश्वविद्यालय द्वारा ग्राम बोरफली में जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली के माध्यम से ग्रामीणों को बाल श्रम के दुष्प्रभावों तथा बच्चों के अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर माधव विश्वविद्यालय के टीवीटीसीसी एवं होम्योपैथी विभाग की निदेशक डॉ. भारती देसाई ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि 18 वर्ष से कम आयु के बालक-बालिकाओं को मजदूरी के लिए नहीं भेजना चाहिए तथा उन्हें शिक्षा से जोड़ना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। राष्ट्रीय सेवा योजना के निदेशक डॉ. देवेन्द्र मुझाल्दा ने कहा कि कम उम्र के बच्चों को श्रम कार्यों में लगाने से उनके शारीरिक, मानसिक एवं शैक्षणिक विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। कार्यक्रम में इकाई प्रथम प्रभारी डॉ. संगीता सिंह, इकाई प्रथम एवं द्वितीय के सह-प्रभारी डॉ. दुष्यंत कुमार तथा डॉ. अमित सिंह भी मौजूद थे।

सर्व समाज सेवा समिति ने जेके लॉन ब्लड बैंक में किया सेवा कार्य

जयपुर @ जागरूक जनता। डॉ. अशोक दुबे ने बताया कि रक्तदान मानवता की सेवा का एक अद्वितीय अवसर है। रक्तदान शिविरों के आयोजन के साथ-साथ भीषण गर्मी में जनहित में पानी के कैंपर उपलब्ध करवाना या शीतल जल की प्याऊ लगाना एक अत्यंत सराहनीय और आवश्यक सेवा कार्य है। ये दोनों पहलें समाज के स्वास्थ्य और कल्याण में सीधा योगदान देती हैं। रक्तदान और जल सेवा: जीवन रक्षक रक्त और राजस्थान जैसे गर्म क्षेत्रों में शीतल जल की पहल अत्यंत महत्वपूर्ण कदम है। स्वैच्छिक रक्तदाताओं को धन्यवाद देना और रक्त की आवश्यकता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए सामाजिक, संगठनों एवं कार्यकर्ताओं का भी रक्तदाताओं के प्रति दायित्व बनता है, इस अवसर पर समिति सदस्यों द्वारा रक्तदाताओं को प्रोत्साहित करने एवं उनकी सुविधा हेतु 05 पानी के कैंपर एवं 01 मिल्टन इनर स्टेनलेस स्टील इंसुलेटेड थर्मल जग प्रदान किया गया। चूंकि प्लास्टिक की थैलियों में लाई जाने वाली चाय भी शरीर के लिए बहुत हानिकारक होती है।

उभरती तकनीकें बदलेंगी डिजिटल भविष्य की तस्वीर-डॉ. भावेश

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

आबूरोड। माधव विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. भावेश कुमावत ने कहा है कि सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हो रहे निरंतर नवाचार डिजिटल भविष्य को नई दिशा प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि क्लाउड कंप्यूटिंग ने पिछले वर्षों में डेटा प्रबंधन और प्रसंस्करण की प्रणाली में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं, लेकिन अब इसके साथ-साथ कई नई तकनीकें भी तेजी से विकसित हो रही हैं, जो आने वाले समय में विभिन्न क्षेत्रों में क्रांतिकारी परिवर्तन लाएंगी।

डॉ. कुमावत ने बताया कि एज कंप्यूटिंग वर्तमान समय की प्रमुख तकनीकों में से एक है। इस तकनीक के माध्यम से डेटा का प्रसंस्करण उसी स्थान के निकट किया जाता है, जहाँ वह उत्पन्न होता है। इससे सूचना के आदान-प्रदान में लगने वाला समय कम होता है और त्वरित निर्णय लेना संभव हो पाता है। स्मार्ट सिटी, स्वचालित वाहन और इंटरनेट ऑफ थिंग्स जैसे क्षेत्रों में इसका व्यापक उपयोग हो रहा है। उन्होंने कहा कि फॉग कंप्यूटिंग क्लाउड और एज कंप्यूटिंग के बीच महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य करती है। यह स्थानीय स्तर पर डेटा विश्लेषण को संभव बनाती है तथा केवल आवश्यक सूचनाओं को ही क्लाउड तक पहुंचाती है, जिससे नेटवर्क पर भार कम होता है और कार्यक्षमता बढ़ती है।

डॉ. भावेश कुमावत के अनुसार कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग आधारित एआई-नेटिव क्लाउड का महत्व भी तेजी से बढ़ रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य, वित्त, कृषि और उद्योग जैसे क्षेत्रों में इस तकनीक के माध्यम से अधिक बुद्धिमान और स्वचालित सेवाएं विकसित की जा रही हैं। इसके अलावा सर्वरलेस कंप्यूटिंग डेवलपर्स को सर्वर प्रबंधन की जटिलताओं से मुक्त कर अनुप्रयोग विकास पर अधिक ध्यान केंद्रित करने का अवसर प्रदान करती है।

उन्होंने बताया कि वर्तमान में अनेक संस्थान और उद्योग मल्टी-क्लाउड तथा हाइब्रिड क्लाउड मॉडल अपना रहे हैं, जिससे डेटा सुरक्षा, विश्वसनीयता और लचीलेपन में वृद्धि हो रही है। वहीं डिस्ट्रिब्यूटेड क्लाउड तकनीक भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विकसित की जा रही है, जिसके माध्यम से उपयोगकर्ताओं को उनके निकट बेहतर और तेज सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी। डॉ. कुमावत ने कहा कि एज कम्प्यूटिंग, फॉग कंप्यूटिंग, एआई-नेटिव क्लाउड, सर्वरलेस कंप्यूटिंग और डिस्ट्रिब्यूटेड क्लाउड जैसी तकनीकें केवल तकनीकी नवाचार नहीं हैं, बल्कि वे डिजिटल भविष्य की मजबूत आधारशिला हैं। आने वाले वर्षों में ये तकनीकें शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग, प्रशासन और अनुसंधान के क्षेत्रों में व्यापक परिवर्तन लाकर विकसित डिजिटल भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

चित्तौड़गढ़ में दूसरी बार मिला दुर्लभ कैट स्नेक, सुरक्षित रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ा

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। शहर के प्रताप नगर क्षेत्र स्थित विश्वनाथ कॉलोनी में मंगलवार सुबह एक दुर्लभ प्रजाति का सांप मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। विश्वनाथ कॉलोनी निवासी मुकेश शर्मा को सुबह करीब 6 बजे अपने मकान के बाथरूम के बारसौद में एक सांप दिखाई दिया। सांप को देखते ही परिवार के लोग घबरा गए, लेकिन उन्होंने जागरूकता दिखाते हुए तुरंत चित्तौड़गढ़ वन्यजीव एवं पर्यावरण संरक्षण समिति को सूचना दी। सूचना मिलते ही समिति के सदस्य एवं सर्प विशेषज्ञ मुबारिक खान मौके पर पहुंचे। निरीक्षण के दौरान यह सांप दुर्लभ प्रजाति का कैट स्नेक निकला, जो चित्तौड़गढ़ क्षेत्र में बहुत कम देखने को मिलता है। मुबारिक खान ने अत्यंत सावधानी और कुशलता के साथ सांप का सुरक्षित रेस्क्यू किया। रेस्क्यू के बाद जांच में सांप पूरी तरह स्वस्थ पाया गया। इसकी लंबाई लगभग ढाई फीट थी। दुर्लभ प्रजाति के इस सांप को देखने के लिए मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। बाद में वन्यजीव संरक्षण के नियमों का पालन करते हुए इसे सुरक्षित प्राकृतिक आवास में छोड़ दिया गया।

एएसआई भूमि से हटाया गया अवैध कब्जा, एफआईआर दर्ज, कार्रवाई का खर्च भी अतिक्रमणकारियों से वसूला जाएगा

चित्तौड़ दुर्ग में अवैध अतिक्रमण पर चला बुलडोजर, दो मंजिला कमर्शियल निर्माण ध्वस्त

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। यूनेस्को विश्व धरोहर चित्तौड़गढ़ दुर्ग में बीते दिनों जिला प्रशासन, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई), पुलिस एवं नगर परिषद की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एएसआई की खातेदारी भूमि पर बने दो मंजिला अवैध कमर्शियल निर्माण को ध्वस्त कर दिया। जिला कलक्टर डॉ. मंजू के निर्देशन में हुई इस कार्रवाई के दौरान लगभग 0.14 हेक्टेयर भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया।

प्रशासन ने अलसुबह चार बजे से अभियान शुरू करते हुए रामपोल से राणा रतन सिंह महल तक मार्ग बंद कर सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की। अवैध निर्माण को हटाने के लिए 9 से 10 जेसीबी, 20 से अधिक ट्रैक्टर, कटर मशीनें तथा नगर परिषद के 50 से अधिक कार्मिक लगाए गए।

कार्रवाई के दौरान करीब 125 ट्रैक्टर मलबा, सरिया एवं अन्य निर्माण सामग्री हटाई गई। प्रशासन के अनुसार युवराज सिंह पुत्र महेंद्र सिंह मेड़तिया तथा सत्यनारायण धोबी द्वारा किए गए अवैध निर्माणों पर कार्रवाई की गई। संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश भी दिए गए हैं। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अतिक्रमण हटाने में आए लगभग 1.50 लाख रुपये के खर्च तथा पुलिस जाप्ते पर हुए व्यय की वसूली भी संबंधित अतिक्रमणकारियों से की जाएगी। एएसआई अधिकारियों ने बताया कि वर्ष 2024 में पुरातत्व विभाग की आपत्तियों के बावजूद निर्माण कार्य शुरू हुआ था। कई नोटिस और सुनवाई के अवसर दिए जाने के बाद भी निर्माण नहीं रोका गया। दिल्ली स्थित एएसआई मुख्यालय से अंतिम स्वीकृति मिलने के बाद विधिक प्रक्रिया के तहत ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई।

जांच में सामने आया कि निर्माण के दौरान दुर्ग क्षेत्र के ऐतिहासिक पत्थरों का भी उपयोग किया गया था तथा परिसर में स्विमिंग पूल निर्माण की तैयारी चल रही थी। प्रशासन ने इसे दुर्ग की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत के लिए गंभीर खतरा बताया। पुलिस अधीक्षक धमेन्द्र सिंह ने चेतावनी दी कि भविष्य में दुर्ग क्षेत्र में किसी भी प्रकार का अवैध निर्माण, सरकारी भूमि पर कब्जा अथवा नियम विरुद्ध गतिविधि पाए जाने पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने दुर्ग क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त बनाए रखने के लिए नियमित मॉनिटरिंग और संयुक्त निरीक्षण अभियान जारी रखने की बात कही है।

कार्रवाई के दौरान अतिरिक्त जिला कलक्टर रामचंद्र खटीक, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुकुल शर्मा, उपखंड अधिकारी बीनू देवल, नगर परिषद आयुक्त रविंद्र सिंह यादव, आरओ कमलेंद्र प्रताप सिंह, एएसआई अधिकारियों सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं भारी पुलिस जाप्ता मौजूद रहा। प्रशासन ने आमजन से भी ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण में सहयोग करने की अपील की है।

जोधपुर में 360 करोड़ से बनेगा देश का पहला वंदे भारत स्लीपर डिपो, 360 करोड़ रुपये की आएगी लागत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जोधपुर। राजस्थान की सांस्कृतिक राजधानी और 'ब्लू सिटी' के नाम से मशहूर जोधपुर अब भारतीय रेलवे के हाईटेक भविष्य का सबसे बड़ा केंद्र बनने जा रहा है। जोधपुर के भगत की कोठी रेलवे स्टेशन के पास लगभग 360 करोड़ रुपये की लागत से देश का पहला 'वंदे भारत स्लीपर मेंटेनेंस डिपो' तैयार किया जा रहा है। यह महत्वाकांक्षी परियोजना न केवल उत्तर पश्चिम रेलवे बल्कि पूरे भारतीय रेलवे नेटवर्क के लिए एक ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित होने वाली है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के गृह जिले को मिली इस सौगात से स्थानीय रोजगार, पर्यटन और यहां की प्रसिद्ध हैंडीक्राफ्ट इंडस्ट्री को जबरदस्त बूस्ट मिलेगा।

पहले चरण का 85% काम पूरा

ग्राउंड जीरो से मिली जानकारी के अनुसार, वर्तमान में इस हाईटेक डिपो के प्रथम चरण का लगभग 85 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। जल्द ही इसके द्वितीय चरण का काम भी शुरू होने जा रहा है, जिससे इस परियोजना को और गति मिलेगी। वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों को भारतीय रेलवे में लंबी दूरी की यात्रा की अगली पीढ़ी (नेक्स्ट जनरेशन) माना जा रहा है। इन्हीं ट्रेनों के विश्वस्तरीय रखरखाव के लिए जोधपुर में यह आधुनिक मॉडल विकसित किया जा रहा है, जहां निरीक्षण से लेकर मरम्मत तक की सभी सुविधाएं एक ही छत के नीचे मिलेंगी। जिसमें निरीक्षण, मरम्मत, व्हील मेंटेनेंस, बोगी रिपेयर और स्वचालित धुलाई जैसी सभी सुविधाएं एक ही परिसर में उपलब्ध रहेंगी।

24 कोच वाली ट्रेन का होगा मेंटेनेंस

इस परियोजना के प्रथम चरण में 600 मीटर लंबा मुख्य मेंटेनेंस ट्रैक तैयार किया जा रहा है, जिसमें एक बार में 24 कोच वाली पूरी वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को खड़ा कर उसका रखरखाव किया जा सकेगा। इसके अलावा 3 कवर पिट लाइनों की व्यवस्था की जा रही है, जिससे एक साथ तीन ट्रेनों का निरीक्षण और मरम्मत संभव होगा।

आधुनिक तकनीकों से किया गया है लैस

इस डिपो की सबसे बड़ी विशेषता की बात करें तो यहां स्थापित होने वाले उपकरण अत्याधुनिक होंगे, जिसमे ड्रॉप पिट टेबल, जिसकी मदद से भारी बोगियों को आसानी से अलग किया जा सकेगा, जबकि सिंर नाइज्ड लिफ्टिंग सिस्टम पूरी ट्रेन को एक साथ ऊपर उठाकर निरीक्षण और मरम्मत का कार्य तेज एवं सुरक्षित बनाएगा। वहीं पिट व्हील लेथ तकनीक के माध्यम से ट्रेन को अलग किए बिना ही उनके पहियों की प्रोफाइलिंग और मरम्मत की जा सकेगी। साथ ही डिपो में ऑटोमेटेड वाशिंग प्लांट भी स्थापित किया जाएगा, जो कम समय में पूरी ट्रेन की सफाई करेगा। इसके अलावा एयर ब्रेक सिस्टम परीक्षण, बोगी निरीक्षण, अंडर कैरिज चेकिंग और अन्य तकनीकी जांच की आधुनिक सुविधाएं भी विकसित की जा रही हैं। रेलवे यहां एक समर्पित टेस्टिंग लैब और उन्नत व्हील मेंटेनेंस शेड भी विकसित करने की योजना पर कार्य कर रहा है ।

जल्द शुरू होगा दूसरा फेज

पहले फेस को सफलतापूर्वक खत्म करने के बाद रेलवे यहां द्वितीय चरण का कार्य शुरू जिसमें इंजीनियरों और टेक्निकल एम्पलाइज के प्रशिक्षण के लिए आधुनिक सिमुलेटर रूम और प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किए जाएंगे। इससे जोधपुर केवल मेंटेनेंस हब ही नहीं बल्कि रेलवे तकनीकी स्किल डेवलपमेंट के महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में भी उभरेगा।

मां ने मजदूरी कर पढ़ाया, बेटे ने शिक्षक बनकर चुकाया कर्ज

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

पीपराली। ग्राम पंचायत पीपराली के युवा शिक्षक सवाईराम माचरा की सफलता आज क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणा बन गई है। महज 3 वर्ष की उम्र में पिता का साया सिर से उठ जाने के बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा, लेकिन उनकी मां ने हार नहीं मानी। मजदूरी कर बेटे को पढ़ाया और उसके सपनों को पंख दिए।

आर्थिक तंगी और कठिन परिस्थितियों के बावजूद सवाईराम ने शिक्षा को अपना हथियार बनाया। मां के संघर्ष, त्याग और मेहनत का परिणाम यह रहा कि आज वे शिक्षक बनकर समाज में शिक्षा की अलख जगा रहे हैं। यह कहानी साबित करती है कि हालात कितने भी कठिन क्यों न हों, यदि मेहनत, लगन और मां का आशीर्वाद साथ हो तो सफलता जरूर मिलती है। सवाईराम माचरा की उपलब्धि पीपराली ही नहीं, पूरे क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत है।

माधव विश्वविद्यालय में जल संग्रहण एवं प्रबंधन विषय पर व्याख्यान आयोजित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

आबूरोड। माधव विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना, स्वच्छ भारत अभियान एवं उन्नत भारत अभियान के संयुक्त तत्वावधान में "जल संग्रहण एवं प्रबंधन" विषय पर विश्वविद्यालय के सभागार में एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं स्वयंसेवकों में जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन तथा जल संसाधनों के प्रभावी प्रबंधन के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। कार्यक्रम में टीपीसी एवं होम्योपैथी विभाग की निदेशक डॉ. भारती देसाई के अलावा राष्ट्रीय सेवा योजना के निदेशक डॉ. देवेंद्र मुझाल्दा, इकाई प्रथम की प्रभारी डॉ. संगीता सिंह, सह-प्रभारी डॉ. दुष्यंत कुमार एवं डॉ. अमित कुमार सिंह सहित राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों, छात्र-छात्राओं तथा टीपीसी के विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। अंत में सभी प्रतिभागियों ने जल संरक्षण को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने तथा समाज में इसके प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया।

मुख्य सचिव ने की प्रगति समीक्षाः पेट्रो उत्पादों का उत्पादन शीघ्र प्रारंभ करने तथा समयबद्ध कार्य पूर्ण करने के दिए निर्देश

एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी में इसी माह शुरू होगा पेट्रोल-डीजल उत्पादन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

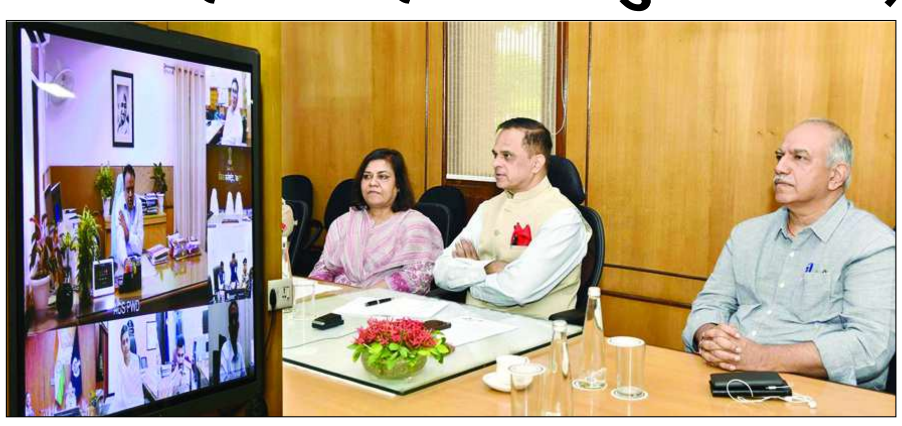

जयपुर/बालोतरा। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने शासन सचिवालय में एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी परियोजना, पचपदरा (बालोतरा) की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने परियोजना से संबंधित कार्यों की विस्तृत जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को पेट्रो उत्पादों का उत्पादन शीघ्र प्रारम्भ करने की दिशा में आवश्यक निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने समीक्षा के दौरान बताया कि एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी में पेट्रोल एवं डीजल के उत्पादन की तैयारियां अंतिम चरण में हैं तथा इसी माह उत्पादन प्रारंभ करने का लक्ष्य रखा गया है। समीक्षा बैठक में रिफाइनरी परियोजना की वर्तमान स्थिति, आधारभूत सुविधाओं के विकास तथा विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने कहा कि यह परियोजना राज्य के औद्योगिक विकास की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है, सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय बनाए रखते हुए निर्धारित समयसीमा में कार्यों को पूर्ण करें।

बैठक के दौरान परियोजना से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। मुख्य सचिव ने अधिकारियों से परियोजना के शेष कार्यों में तेजी लाने तथा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित करने को कहा।

बैठक में जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अभय कुमार, खान एवं पेट्रोलियम विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव अपर्णा अरोड़ा तथा विशिष्ट शासन सचिव नम्रता वृष्णि सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

बार-बार बिजली कटौती से नाराज लोगों का आरएसीबी कार्यालय पर हंगामा, ताला लगाने की दी चेतावनी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। शहर के प्रताप नगर क्षेत्र में लगातार हो रही बिजली कटौती से परेशान लोगों का बीते दिनों गुस्सा फूट पड़ा। प्रताप नगर स्थित नेहरू पार्क के सामने आरएसीबी कार्यालय पर बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी पहुंच गए और बिजली विभाग के खिलाफ नाराजगी जताई। इस दौरान कुछ लोगों ने कार्यालय पर ताला लगाने तक की चेतावनी दे दी।

जानकारी के अनुसार कुम्भा नगर, प्रताप नगर, सब्जी मंडी, हाउसिंग बोर्ड सहित आसपास की कॉलोनियों के लोग रात करीब 11 बजे आरएसीबी कार्यालय पहुंचे। लोगों ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में आए दिन बिजली गुल हो जाती है और कई बार आधे घंटे से लेकर एक घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहती है। शिकायत के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हो रहा है तथा विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी फोन तक नहीं उठाते हैं। क्षेत्रवासियों ने बताया कि शुक्रवार रात भी करीब दो से ढाई घंटे तक बिजली बंद रही, जिससे भीषण गर्मी के बीच लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। लंबे समय तक बिजली नहीं आने से नाराज लोग आरएसीबी कार्यालय पहुंच गए और विरोध प्रदर्शन करते हुए विभाग के खिलाफ आक्रोश जताया। वहीं आरएसीबी के एक्सईएन विमल सिंह ने बताया कि शहर के डाइट रोड स्थित एक डीपी के नीचे कचरा जलाने से ट्रांसफार्मर में आग लग गई थी। सूचना मिलते ही मौके पर फायर ब्रिगेड को बुलाया गया और आग पर काबू पाया गया। इसके बाद डीपी की मरम्मत का कार्य शुरू किया गया, जिसमें स्वाभाविक रूप से समय लगता है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में गर्मी के मौसम में बिजली की मांग काफी बढ़ गई है। कई उपभोक्ताओं ने अपने घरों में दो से तीन एयर कंडीशनर लगा रखे हैं, लेकिन उन्होंने बिजली कनेक्शन का लोड नहीं बढ़वाया है। सिंगल फेस कनेक्शन पर अधिक भार पड़ने से डीपी में लगे फ्यूज उड़ जाते हैं और तकनीकी खराबियां उत्पन्न हो जाती हैं। एक्सईएन ने कहा कि किसी भी खराबी की सूचना मिलने के बाद टीम को संबंधित स्थान तक पहुंचने में 15 से 20 मिनट का समय लग जाता है, जबकि मरम्मत और फ्यूज बदलने की प्रक्रिया में अतिरिक्त समय लगता है।

ग्रामीण सेवा शिविर में मिला सम्मान, बालिका जन्म पर 6 हजार का अनुदान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बालोतरा। राज्य सरकार द्वारा आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर आमजन के लिए राहत एवं लाभ का माध्यम बन रहे हैं। इसी क्रम में ग्राम पंचायत मेघवालों की बस्ती गिड़ा में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर के दौरान एक लाभार्थी को प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत तत्काल लाभ प्रदान किया गया। शिविर में कविता पत्नी देवाराम ने महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के अंतर्गत आवेदन प्रस्तुत किया। उनकी द्वितीय संतान बालिका होने पर विभागीय अधिकारियों द्वारा आवेदन का सत्यापन किया गया तथा पात्र पाए जाने पर लाभार्थी को 6 हजार रुपये की सहायता राशि डीबीटी के माध्यम से शीघ्र भुगतान के लिए स्वीकृत की गई। योजना का लाभ प्राप्त होने पर लाभार्थी कविता ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शिविरों के माध्यम से पात्र परिवारों को योजनाओं का लाभ आसानी से मिल रहा है। ग्रामीण सेवा शिविरों में विभिन्न विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराकर आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान किया जा रहा है।

न्युवोको सीमेंट बनाने में इस्तेमाल होने वाली टेक्नोलॉजी और विशेषज्ञता की दिखाई झलक

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ। न्युवोको विस्टास कॉर्प. लिमिटेड, भारत की भरोसेमंद बिल्डिंग मटीरियल कंपनी को जियोहॉटस्टार पर स्ट्रीम हो रही इंडस्ट्री-केंद्रित लोकप्रिय सीरीज "कैसे बनता है" के तीसरे सीजन में दिखाया गया है। न्युवोको को इस प्लेटफॉर्म पर दिखाई जाने वाली भारत की पहली सीमेंट कंपनी होने पर गर्व है। यह शो दर्शकों को सीमेंट बनाने में शामिल विज्ञान, टेक्नोलॉजी और विशेषज्ञता की पर्दे के पीछे की खास झलक दिखाता है। यह एक अनोखी इन्फोटेनमेंट सीरीज है जो दर्शकों को भारत की कुछ प्रमुख मैन्युफैक्चरिंग सुविधाओं के अंदर ले जाती है। यह दिखाती है कि रोजमर्रा के उत्पाद कैसे एडवांस्ड टेक्नोलॉजी, बेहतरीन इंजीनियरिंग, इनोवेशन और कुशल मानवीय प्रयासों से बनाए जाते हैं। इस सीरीज का मकसद औद्योगिक प्रक्रियाओं को आसान भाषा में समझाना और दर्शकों के बीच आधुनिक मैन्युफैक्चरिंग के प्रति जागरूकता और सराहना बढ़ाना है। न्युवोको के एपिसोड दर्शकों को सीमेंट बनाने की पूरी प्रक्रिया दिखाता है, जिसमें कच्चे माल की सोर्सिंग और प्रोसेसिंग से लेकर क्लिंकर बनाने, पीसने, क्वालिटी की जांच और डिस्पैच तक। यह आधुनिक सीमेंट उत्पादन के बड़े पैमाने और जटिलता को उजागर करता है, साथ ही न्युवोको की मैन्युफैक्चरिंग प्रक्रियाओं के आधारभूत तत्वों-जैसे एडवांस्ड टेक्नोलॉजी, सख्त क्वालिटी कंट्रोल और बेहतरीन ऑपरेशनल कामकाज को भी दिखाता है। यह कंपनी की सस्टेनेबिलिटी, संसाधनों के कुशल उपयोग, सुरक्षा और लगातार इनोवेशन के प्रति प्रतिबद्धता की भी जानकारी देता है। दर्शक यह बेहतर ढंग से समझ पाते हैं कि कैसे आधुनिक मैन्युफैक्चरिंग तरीके उच्च-गुणवत्ता वाले बिल्डिंग मटीरियल उपलब्ध कराने में मदद करते हैं, जो भारत की बढ़ती इंफ्रास्ट्रक्चर और विकास की जरूरतों को पूरा करते हैं।

विश्व रक्तदाता दिवस विशेष

रक्तवीर बने फरिश्ता, किसी की बचाई धड़कन, किसी की लौटाई सांसे

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

भीम सिंह

विकास कुमार

दिलीप कैलाश

हैदर शाह

पूरण सिंह

जैसलमेर। खून की कुछ बूंदें किसी के लिए जीवन और मृत्यु के बीच का अंतर बन सकती हैं।यही सोच लेकर जैसलमेर के कई लोग वर्षों से रक्तदान को अपनी जीवनशैली बना चुके हैं।किसी ने 50 से अधिक बार रक्तदान किया है तो किसी ने सैकड़ों जरूरतमंदों तक रक्त पहुंचाने के लिए संगठन खड़ा कर दिया।इन रक्तवीरों की बदौलत अनगिनत मरीजों को समय पर रक्त मिल सका और कई परिवारों की उम्मीदें टूटने से बच गई।

इनमें सबसे प्रेरक नाम भीम सिंह पंवार का है।दुर्लभ "ओ नेगेटिव" ब्लड ग्रुप वाले भीम सिंह ने 18 साल की उम्र में पहली बार रक्तदान किया था।आज 42 वर्ष की आयु में वे 54 बार रक्तदान कर चुके हैं।उनका रक्तदान सफर 1999 में शुरू हुआ, जब सड़क दुर्घटना में घायल हुए पूर्व महारावल बृजराज सिंह के लिए ओ नेगेटिव रक्त की आवश्यकता पड़ी। उस समय उन्होंने बिना झिझक रक्तदान किया और तब से यह सिलसिला लगातार जारी है। भीम सिंह कई गंभीर मरीजों, गर्भवती महिलाओं और थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के लिए भी रक्तदान कर चुके हैं। एक बार 13 दिन की नवजात बच्ची की जान बचाने के लिए उन्हें अस्पताल बुलाया गया, जहां उन्होंने तुरंत पहुंचकर रक्तदान किया।

विकास कुमार व्यास की कहानी भी कम प्रेरणादायक नहीं है। उन्होंने 22 साल की उम्र में पहला रक्तदान किया था। शुरुआत में उन्हें डर महसूस हुआ, लेकिन जब पता चला कि उनके रक्त से किसी मरीज की जान बची है तो उन्होंने इसे अपना मिशन बना लिया। अब 37 साल की उम्र में वे 50 बार रक्तदान कर चुके हैं। उनका मानना है कि रक्तदान सबसे बड़ा दान है क्योंकि इसे किसी प्रयोगशाला या फैक्ट्री में तैयार नहीं किया जा सकता।

वहीं दिलीप कैलाश चंद्र चूरा ने सिर्फ रक्तदान ही नहीं किया, बल्कि रक्तदाताओं को जोड़ने का भी काम किया। बी-नेगेटिव ब्लड ग्रुप वाले दिलीप 20 बार रक्तदान कर चुके हैं। उन्होंने वर्ष 2017 में जैसलमेर ब्लड सहायता ग्रुप की स्थापना की, जिसके माध्यम से अब तक 700 से 800 जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध करवाया जा चुका है।

वही रक्तवीरों में शूरवीर है जैसलमेर के हैदर शाह......हैदर ने 18 वर्ष की उम्र में रक्तदान की शुरुआत की थी और अब तक 42 बार रक्तदान कर चुके हैं। उनका ब्लड ग्रुप ओ पॉजिटिव है। कोरोना काल में रक्त की भारी कमी को देखते हुए उन्होंने वर्ष 2020 में डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम रक्त सेवा संस्था की स्थापना की। महज 40-45 रक्तदाताओं के साथ शुरू हुआ यह अभियान आज करीब 500 सक्रिय रक्तदाताओं का नेटवर्क बन चुका है। संस्था के माध्यम से अब तक 4 हजार से अधिक यूनिट रक्त जरूरतमंद मरीजों तक पहुंचाया जा चुका है, जिससे हैदर शाह रक्तदान सेवा के क्षेत्र में एक मिसाल बन गए हैं।

जैसलमेर के पूरण सिंह युवा रक्तदाताओं के लिए प्रेरणा बनकर उभरे हैं। उन्होंने 25 वर्ष की उम्र में पहली बार रक्तदान किया था और अब 35 वर्ष की आयु में 16 बार रक्तदान कर चुके हैं। उनका ब्लड ग्रुप बी नेगेटिव है, जो अपेक्षाकृत दुर्लभ रक्त समूहों में शामिल है। जरूरतमंद मरीजों की सहायता के लिए वे हमेशा तत्पर रहते हैं। उनका मानना है कि रक्तदान एक ऐसा कार्य है, जिससे किसी अनजान व्यक्ति को भी नया जीवन दिया जा सकता है। जैसलमेर के ये रक्तवीर साबित कर रहे हैं कि समाज में असली हीरो वही हैं, जो अपने रक्त की कुछ बूंदों से किसी की जिंदगी में नई उम्मीद भर देते हैं। उनके लिए रक्तदान केवल सेवा नहीं, बल्कि मानवता का सबसे बड़ा धर्म है।

घर मंगवाये जागरूक जनता

सदस्यता फार्म दिनांक ....

जागरूक जनता हिन्दी अखबार एक उद्देश्य, एक मिशन, एक विश्वास के साथ आमजन की समस्याएं, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, सांस्कृतिक गलियारा, भौगोलिक दृष्टिकोण को एक-दूसरे से साझा करने के लिए एक सेतु का काम कर रहा है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिकतम एवं तकनीकी जानकारी पहुंचाकर शहरी एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। जागरूक जनता समय-समय पर भिन्न-भिन्न विषयों के साथ- अपने पाठकों के बीच उपस्थित रहता है।

सदस्यता राशि

☐ एक वर्ष रु. 250/- ☐ दो वर्ष रु. 450/- ☐ तीन वर्ष रु. 600/- ☐ पांच वर्ष रु. 1000/-

डाक से नियमित रुप से निम्न पते पर जागरूक जनता भेजने के लिए डिमान्ड ड्राफ्ट/मनीऑर्डर जागरूक जनता के नाम भेज रहा हूं। फोन-पे, पेटीएम-9829329070

नाम / संस्था का नाम ....

पता : ....

....

फोन .... पिन कोड ☐☐☐☐☐☐

राशि (रुपए) .... बैंक का नाम ....

डिमान्ड ड्राफ्ट / मनीऑर्डर क्रमांक ☐☐☐☐☐☐ (डीडी/एमओ जागरूक जनता के नाम भेजें)

• सदस्यता रजिस्ट्रेशन क्रं. ....रसीद क्रं. ....

दिनांक .... हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे प्रसार प्रभारी →

जागरूक जनता सकारात्मक हिन्दी अखबार
बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राज.) मो.- 9829329070, 9928022718

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

पुलिस महानिदेशक ने ली अपराध समीक्षा बैठक

झूठे मुकदमे कराने वालों पर करें कड़ी कार्रवाई-शर्मा

नशे की रोकथाम के लिए पुलिस अधीक्षक बनाएं कार्ययोजना

गैंगस्टरों की अवैध संपत्तियां ध्वस्त करने के निर्देश

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा की अध्यक्षता में पुलिस मुख्यालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अपराध समीक्षा बैठक हुई। श्री शर्मा ने कहा कि प्रदेश की सुदृढ़ कानून-व्यवस्था ही विकसित राजस्थान की आधारशिला है। नवीन आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन से पुलिस पर जनविश्वास और अधिक मजबूत हुआ है। उन्होंने सक्रिय व संगठित अपराधों के विरुद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि झूठे मुकदमे दर्ज कराने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाए।

पुलिस महानिदेशक ने समीक्षा बैठक में प्रदेश के पुलिस उच्चाधिकारियों को सम्बोधित किया। उन्होंने आपराधिक घटनाओं पर संबंधित रेंज आईजी व एसपी की कार्रवाई की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने धमकी देकर वसूली करने वाले गिरोहों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने और नवीन आपराधिक कानूनों के प्रावधानों के तहत अपराधियों की संपत्तियों को जब्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गैंगस्टरों द्वारा अर्जित अवैध संपत्तियों को ध्वस्त करने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। ऐसे अपराधियों के बैंक खातों सहित अन्य लेन-देन पर सतत निगरानी रखें।

नशा तस्करों और साइबर अपराधियों पर करें प्रभावी कार्रवाई

शर्मा ने पुलिस अधीक्षकों को नशा तस्करी और नशे के प्रसार पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए योजनाबद्ध अभियान चलाने के निर्देश दिए। साइबर अपराध, डिजिटल अरेस्ट और ऑनलाइन ठगी के मामलों में त्वरित कार्रवाई करते हुए अपराधियों तक पहुंच सुनिश्चित की जाए। उन्होंने पुलिस थानों में पुलिसकर्मियों को अनुसंधान के लिए नवीन तकनीकों का प्रशिक्षण दिलाने पर भी जोर दिया। पुलिस महानिदेशक ने कहा कि कानून एवं सुरक्षा से जुड़ी किसी भी संवेदनशील घटना की सूचना तत्काल उच्चाधिकारियों को दी जाए, ताकि समय पर मार्गदर्शन और आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जा सके। पुराने प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण एवं पीड़ितों को त्वरित न्याय दिलाने के भी निर्देश दिए गए।

वर्षभर चलाए सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान

सड़क सुरक्षा की समीक्षा करते हुए पुलिस महानिदेशक ने कहा कि सड़क दुर्घटना केवल एक व्यक्ति नहीं बल्कि पूरे परिवार को प्रभावित करती है। उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्गों और शहरी क्षेत्रों में लेन अनुशासन का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित कराने तथा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त प्रवर्तन कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान वर्षभर संचालित करने के निर्देश दिए।

नीट परीक्षा के लिए दिए दिशा-निर्देश

शर्मा ने नीट परीक्षा के सफल एवं शांतिपूर्ण आयोजन के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सुव्यस्थित परीक्षा के लिए जारी दिशा-निर्देशों की अक्षरश पालना सुनिश्चित करें। सीसीटीवी के जरिए सतत निगरानी रखी जाए। समीक्षा बैठक में पुलिस मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र के काउंटिंग एजेंट एवं प्रमुख कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री का किया अभिनंदन

पश्चिम बंगाल में भाजपा की ऐतिहासिक विजय कार्यकर्ताओं के समर्पण, परिश्रम की जीत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुख्यमंत्री निवास पर पश्चिम बंगाल के भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र के काउंटिंग एजेंटों एवं प्रमुख कार्यकर्ताओं के प्रतिनिधिमंडल ने शिष्टाचार मुलाकात की। पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ के नेतृत्व में आए प्रतिनिधिमंडल ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक सफलता पर मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रतिनिधिमंडल को विधानसभा चुनाव में मिली अभूतपूर्व सफलता के लिए बधाई देते हुए कहा कि यह विजय भाजपा कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम, संगठन के प्रति समर्पण, जनसेवा की भावना और अटूट विश्वास का परिणाम है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में कार्यकर्ता ही संगठन की वास्तविक शक्ति होते हैं और उनकी मेहनत ही जनता का विश्वास जीतने का आधार बनती है। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से भवानीपुर विस क्षेत्र में भाजपा की जीत का उल्लेख करते हुए कहा, यह सफलता कार्यकर्ताओं के जज्बे, संघर्षशीलता और संगठनात्मक क्षमता का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जनहित, सुशासन और विकास की विचारधारा के प्रति जनता का समर्थन निरंतर बढ़ता रहेगा। इस दौरान पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने बताया कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दौरान विजय के लिए राजस्थान के आस्था केंद्र सालासर बालाजी एवं खाटूश्यामजी से मन्नत मांगी गई थी। चुनाव में सफलता प्राप्त होने के उपरांत भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र के प्रमुख कार्यकर्ताओं एवं काउंटिंग एजेंटों ने राजस्थान पहुंचकर श्री सालासर बालाजी धाम और श्री खाटूश्यामजी धाम में दर्शन-पूजन कर अपनी मन्नत पूर्ण की तथा देश और प्रदेश की सुख-समृद्धि, शांति एवं प्रगति की कामना की।

21 जून को होगी RE-NEET (UG) 2026 परीक्षा, जिला प्रशासन की तैयारियाँ पूर्ण

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (NTA) नई दिल्ली द्वारा आयोजित RE-NEET (UG) 2026 परीक्षा का आयोजन 21 जून 2026 (रविवार) को दोपहर 2 बजे से शाम 5:15 बजे तक जयपुर जिले के निर्धारित परीक्षा केन्द्रों पर किया जाएगा। परीक्षा के सफल, निष्पक्ष एवं सुचारू संचालन के लिए जिला प्रशासन द्वारा व्यापक तैयारियाँ सुनिश्चित की गई हैं। जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट संदेश नायक ने बताया कि परीक्षा केन्द्रों पर सुरक्षा व्यवस्था, कानून व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, गोपनीय परीक्षा सामग्री के सुरक्षित वितरण एवं संग्रहण सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की जाएंगी। परीक्षा केन्द्रों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की जाएगी तथा अभ्यर्थियों की संख्या के अनुसार सुरक्षा कर्मियों की नियुक्ति की गई है। उन्होंने बताया कि परीक्षा दिवस पर अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर मेडिकल स्टाफ, प्राथमिक उपचार तथा ओआरएस की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। आवश्यकता अनुसार एम्बुलेंस एवं अन्य चिकित्सा सुविधाएँ भी उपलब्ध रहेंगी।

तीर्थ यात्रा योजनाः 1,92,313 ने कराया रजिस्ट्रेशन

1.10 लाख करना चाहते हैं हवाई सफर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। देवस्थान विभाग की वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना-2026 के ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया सफलतापूर्वक संपन्न हो गई है। विभाग को इस वर्ष प्रदेशभर से भारी संख्या में आवेदन प्राप्त हुए हैं, जो इस योजना के प्रति बुजुर्ग श्रद्धालुओं के भारी उत्साह को दर्शाते हैं। देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने बताया कि विभाग को इस बार कुल 1,14,579 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इन आवेदनों के माध्यम से कुल 1,92,313 वरिष्ठ नागरिकों ने यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन कराया है। कुल आवेदकों में से 1,10,413 वरिष्ठजनों ने हवाई सफर के जरिए तीर्थ दर्शन करने की इच्छा जताई है। कुमावत ने बताया कि प्रदेश के सभी 41 जिलों से बुजुर्गों ने इस योजना के तहत अप्लाई किया है। हमेशा की तरह जयपुर जिला सबसे आगे रहा है, जहां से सर्वाधिक 13,063 आवेदन मिले हैं। सबसे कम फलौदी जिले से 559 आवेदन आए हैं।

15 प्रमुख तीर्थस्थलों के दर्शन

देवस्थान विभाग इस बार भी वातानुकुलित ट्रेन के जरिए 50 हजार वरिष्ठजनों को देश के 15 प्रमुख तीर्थस्थलों की यात्रा करवाएगा। इन स्थलों में द्वारकापुरी-नागेश्वर-सोमनाथ, मथुरा-वृंदावन-बरसाना-आगरा-अयोध्या, सम्मेदशिखर-पावापुरी-वाराणसी-सारनाथ, हरिद्वार-ऋषिकेश-अयोध्या-वाराणसी-सारनाथ, कामाख्या-गुवाहाटी, गंगासागर-कोलकाता, जगन्नाथपुरी -कोणार्क, रामेश्वरम-मदुरई, वैष्णो देवी-अमृतसर-वाघा बॉर्डर, महाकालेश्वर, उज्जैन - ओंकारेश्वर - त्र्यंबकेश्वर - घृष्णेश्वर - एलोरा, तिरुपति - पद्मावती, बिहार-शरीफ, श्री हजूर साहिब, नांदेड़, पटना साहिब, गोवा के मंदिर एवं चर्च शामिल हैं। 6 हजार वरिष्ठजनों को हवाई जहाज के जरिए पशुपतिनाथ (नेपाल) के दर्शन करवाए जाएंगे। कुमावत ने बताया कि बुजुर्गों को चुने गए विकल्प के आधार पर ट्रेन या हवाई जहाज द्वारा इन स्थानों पर ले जाया जाएगा।

जिलावार आवेदक पत्रों की संख्या

इस बार 41 जिलों से 114579 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इसके तहत जयपुर जिले से 13063, जोधपुर से 6422, कोटा से 5752, उदयपुर से 5078, अजमेर से 4727, बीकानेर से 4527, पाली से 4081, भीलवाड़ा से 3959, डूंगरपुर से 3599, सीकर जिले से 3460 आवेदन प्राप्त हुए हैं। अलवर से 3089, हनुमानगढ जिले से 3063, डीडवाना-कुचामन से 3005, झालावाड़ से 2967, श्रीगंगानगर से 2958, चितौड़गढ से 2781, बांसवाड़ा से 2683, सवाईमाधोपुर से 2606, बूंदी से 2603, चूरू से 2556, नागौर से 2510, भरतपुर 2446, सिरोही 2405, बारां 2279, दौसा से 2197, टोंक से 2057, झुंझुनु से 1976, ब्यावर जिले से 1716, राजसमंद जिले से 1637, करौली 1530, सलूंबर से 1521, जालोर से 1514, बाड़मेर से 1192, प्रतापगढ से 1081, बालोतरा 1063, धौलपुर से 896, डीग से 865, कोटपुतली-बहरोड़ से 826, खैरथल-तिजारा से 715, जैसलमेर से 618 तथा फलौदी जिले से 559 आवेदन मिले हैं।

चयन प्रक्रिया और आगामी चरण

कुमावत ने बताया कि निर्धारित सीटों से अधिक आवेदन प्राप्त होने के कारण यात्रियों का चयन जिलावार आवंटित कोटे के अनुसार जिला स्तरीय समिति कंप्यूटरीकृत लॉटरी से करेगी। मुख्य सूची के साथ-साथ एक प्रतीक्षा सूची भी तैयार की जाएगी ताकि किसी यात्री के न जाने पर दूसरे को मौका मिल सके। चयनित वरिष्ठ नागरिकों को यात्रा के दौरान आवास, भोजन, स्थानीय परिवहन और चिकित्सा सहायता पूरी तरह निशुल्क दी जाएगी।

जुलाई में पीएम मोदी रिफाइनरी का कर सकते हैं उद्घाटन, इसी माह शुरू होगा पेट्रोल-डीजल उत्पादन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान की पचपदरा रिफाइनरी में पेट्रोल-डीजल का उत्पादन इसी महीने शुरू होने की संभावना है। माना जा रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 4 जुलाई को रिफाइनरी का उद्घाटन कर सकते हैं। पचपदरा रिफाइनरी के साथ ही पीएम मोदी जोधपुर एयरपोर्ट का उद्घाटन भी करेंगे। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कुछ ऐसे ही संकेत दिए है। वहीं, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने वीसी के जरिए रिफाइनरी को लेकर बैठक ली। जिसमें पेट्रोल-डीजल उत्पादन जल्द शुरू करने के निर्देश थे। बता दें कि पचपदरा में स्थापित रिफाइनरी का उद्घाटन पहले 28 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों प्रस्तावित था। लेकिन बाद में उद्घाटन फरवरी में होने की संभावना जताई। हालांकि, पचपदरा रिफाइनरी के उद्घाटन की तारीख 21 अप्रेल तय की गई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रिफाइनरी का उद्घाटन करने वाले थे। लेकिन, इससे एक दिन पहले ही 20 अप्रेल को सीडीयू-वीडीयू यूनिट के एक्सचेंजर में विस्फोट होने से भीषण आग लग गई थी और उद्घाटन कार्यक्रम रद्द हो गया था। ऐसे में अब पीएम मोदी 4 जुलाई रिफाइनरी का उद्घाटन कर सकते है। जोधपुर दौरे पर आए केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने सोमवार को सर्किट हाउस में प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राजस्थान की पचपदा रिफाइनरी और जोधपुर एयरपोर्ट का एक साथ उद्घाटन होगा और पीएम मोदी ही करेंगे। जोधपुर एयरपोर्ट की सभी औपचारिकताएं पूरे होने के बाद जल्द ही कार्यक्रम तय होगा। माना जा रहा कि जून के अंत तक सभी औपचारिकताएं पूरी हो जाएगी।

माह जून एवं जुलाई 2026 की जिला स्तरीय जनसुनवाई स्थगित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। जिला स्तरीय जन सुनवाई एवं जिला जन अभाव अभियोग एवं सतर्कता समिति, जयपुर की मासिक बैठक, जो दिनांक 18 जून व 16 जुलाई 2026 को प्रातः 11:00 बजे जिला कलेक्ट्रेट सभा कक्ष, जयपुर में आयोजित की जानी थी, को स्थगित कर दिया गया है। इसके साथ-साथ ब्लॉक स्तरीय व ग्राम पंचायत स्तरीय जनसुनवाई भी स्थगित कर दी गई हैं। जिला कलक्टर संदेश नायक ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा 12 जून 2026 से 15 जुलाई 2026 तक आयोजित किए जा रहे ग्रामीण सेवा शिविर एवं शहरी सेवा शिविर-2026 के सफल संचालन हेतु अधिकारियों एवं कर्मचारियों की व्यस्तता को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है।

ANCHOR — संसद में 'विकसित भारत युवा संसद 2026', आयोजित

विकसित भारत 2047 का निर्माण युवाओं की ऊर्जा, नवाचार, नेतृत्व क्षमता और कर्तव्यबोध से होगा संभव

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। संसद भवन के सेंट्रल हॉल में 'विकसित भारत युवा संसद 2026' का आयोजन किया गया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने केंद्रीय कक्ष में युवा प्रतिनिधियों को संबोधित किया। इस मौके पर देशभर के 757 विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों से चयनित युवा प्रतिनिधि भाग ले रहे है। ओम बिरला ने विकसित भारत@2047 के विजन पर अपने विचार पेश किए। ओम बिरला ने कहा कि विकसित भारत 2047 का निर्माण युवाओं की ऊर्जा, नवाचार, नेतृत्व क्षमता और कर्तव्यबोध से संभव होगा।

पिछले वर्षों में लोकतांत्रिक संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी उल्लेखनीय रूप से बढ़ी है और आज महिलाएं देश के विभिन्न क्षेत्रों में नेतृत्व की भूमिका निभा रही हैं। नए संसद भवन में नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित कर महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की दिशा में कदम उठाया। पंचायत से लेकर संसद तक भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था जनभागीदारी और समावेशी विकास की सशक्त आधारशिला है। भारत का युवा आकांक्षी है, उसके सपने बड़े हैं और वही विकसित भारत के भविष्य का सबसे बड़ा प्रेरक बल है। युवाओं का संकल्प, सशक्त विचार और नवाचार क्षमता विकसित भारत के निर्माण की सबसे बड़ी शक्ति है।

भारत के युवा नवाचार और प्रौद्योगिकी के माध्यम से वैश्विक चुनौतियों के समाधान प्रस्तुत करने की क्षमता रखते हैं।सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक और तकनीकी क्षेत्रों में भारत निरंतर नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर रहा है। आने वाले वर्षों में भारत के युवा विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में विश्व का नेतृत्व करेंगे। आज पूरी दुनिया भारत की युवा शक्ति को आशा, विश्वास और भविष्य की संभावनाओं के प्रतीक के रूप में देख रही है। लोकतंत्र केवल शासन व्यवस्था नहीं, बल्कि संवाद, सहभागिता, सहमति और उत्तरदायित्व की जीवंत संस्कृति है। संसद राष्ट्र की सामूहिक चेतना का सर्वोच्च मंच है, जबकि युवा संसद लोकतंत्र की जीवंत पाठशाला है। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने युवाओं से आह्वान करते हुए कहा कि राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए कठिन परिश्रम और समर्पण से कार्य करें।

संपादक : ज्ञानेन्द्र मिश्रा मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। संपादकीय कार्यालय : 132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039 समाचार संपादक- चेतेन्द्र कुमार मिश्रा